फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, बुधवार 03 जून 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 153 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कैलाश महादेव मंदिर में किए दर्शन

- माता-पिता और पत्नी भी साथ,बोले-पांच राज्यों में सफल चुनाव के बाद आशीर्वाद लेने आया

आगरा (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आगरा पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह 6.30 बजे उन्होंने पत्नी और माता-पिता के साथ कैलाश महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। पिता का हाथ थामकर आरती की। दुग्धाभिषेक किया। करीब 45 मिनट तक मंदिर में रहे।

मंदिर के बाहर मीडियाकर्मियों से मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- पांच राज्यों (प. बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम, पुडुचेरी) में सफल चुनाव संपन्न होने के बाद पत्नी अनुराधा के साथ आगरा आया हूं। पिता और मां का आशीर्वाद लिया, इसके बाद महादेव की पूजा की। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव भी पारदर्शी होंगे। शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनावों की आधारशिला है, इसलिए देश के लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनवाना चाहिए और चुनावों में मतदान करना चाहिए।

सलीम डोला ड्रग्स केस में ईडी का ऐक्शन

महाराष्ट्र-गुजरात में छापेमारी दाउद इब्राहिम का है सहयोगी

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी हाल में तुर्किये से भारत वापस लाए गए

मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद मुंबई और गुजरात के सूरत और अंकलेश्वर (भरूच जिला) में लगभग 20 स्थानों पर छापेमारी की गई। डोला उर्फ सलीम इस्माइल डोला को वैश्विक स्तर पर वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम का सहयोगी बताया है और मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों ने उस पर गिरोह संचालित करने के आरोप लगाए।

पति समर्थ और सास गिरिबाला को भेजा जेल

- सीबीआई ने नहीं मांगी रिमांड,गिरिबाला का आरोप

भोपाल (एजेंसी)। सीबीआई की विशेष अदालत ने ट्विशा शर्मा के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीबीआई ने दोनों आरोपियों की पुलिस

रिमांड नहीं मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा। इससे पहले भोपाल के ट्विशा शर्मा डेथ केस में रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को गिरिबाला और समर्थ को सीबीआई ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट रूम के अंदर दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस हुई। सुनवाई के दौरान गिरिबाला ने आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने जबलपुर कोर्ट में उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की।

विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

- अब 180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे
- ऑनलाइन अपील का भी ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की

जानकारी दी। नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे। पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था। सरकार ने यह भी कहा है कि तय समय निकलने के बाद रजिस्ट्रेशन सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा।

बीजेपी में अब नहीं रहेंगे, आज्ञा दीजिए

अन्नामलाई ने नितिन नवीन को बताया अपना अंतिम फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बीजेपी छोड़ने का मन बना लिया है और इस संबंध में अपना अंतिम फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को बता दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार सुबह दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान अन्नामलाई ने स्पष्ट कर दिया कि वह अब पार्टी में नहीं रहना चाहते। अन्नामलाई ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से कहा है कि अब वह अपना रास्ता खुद बनाना चाहते हैं और सौहार्द्रपूर्ण ढंग से अलग होना चाहते हैं। अन्नामलाई लंबे समय से तमिलनाडु में बीजेपी का प्रमुख चेहरा रहे हैं। अब वो नई पार्टी बनाने का मन बना चुके हैं। जल्द ही वो अपनी नई पार्टी को लेकर ऐलान कर सकती है। वहीं बीजेपी उन्होंने किसी तरह मनाने की कोशिश में जुटी हुई है। पार्टी नेतृत्व को अब भी उम्मीद है कि वे अन्नामलाई को रुकने के लिए मना लेंगे, लेकिन सूत्रों के अनुसार उन्होंने अपना मन बना लिया है।

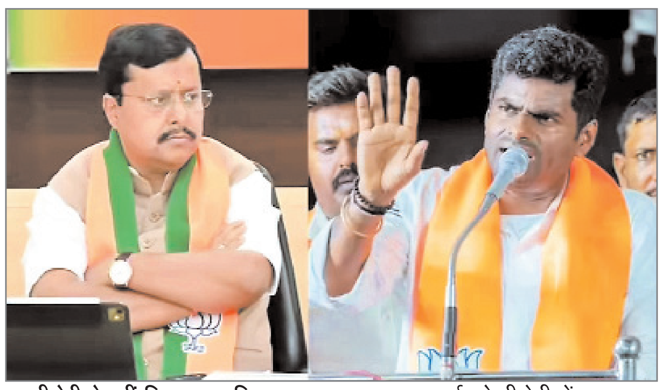

● बीजेपी ने नहीं दिख रहा भविष्य- सूत्रों की मानें तो आईपीएस अधिकारी से राजनेता बने अन्नामलाई को बीजेपी में अपना कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है। बीजेपी की तरफ से अन्नामलाई को राज्यसभा सीट का प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। बता दें कि अन्नामलाई चाहते थे कि बीजेपी राज्य चुनाव अकेले ही लड़े, क्योंकि उन्हें भरोसा था कि पिछले कुछ सालों में पार्टी ने काफी मजबूत पकड़ बना ली है। हालांकि, बीजेपी नेतृत्व ने एआईएडीएमके के साथ अपना गठबंधन फिर से शुरू कर दिया। पार्टी के इस फैसले से अन्नामलाई खुश नहीं थे। चुनाव में इस गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा।

● क्या है अन्नामलाई का आगे का प्लान

सूत्रों की मानें तो अन्नामलाई तमिलनाडु में एक आंदोलन शुरू कर सकते हैं। बाद में वो एक पार्टी बना सकते हैं। कई सूत्रों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोगों को जोड़ना और एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। अन्नामलाई पहले से ही एक गैर-लाभकारी नेतृत्व पहल चला रहे हैं। यही बड़े राजनीतिक प्रोजेक्ट की नींव बन सकती है। यहीं नहीं कहा जा रहा है कि तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा उपचुनावों में उनकी पार्टी चुनाव लड़ सकती है।

आधुनिक युद्ध में 'गेम चेंजर' बन रहे ड्रोन

- सेना के बेड़े में शामिल होंगे अब उन्नत सिस्टम
- लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने किए बड़े दावे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में भारतीय सेना के लिए एक अहम समारोह आयोजित किया गया, जहां 59 अफसरों ने अपनी एविएशन ट्रेनिंग पूरी की। इनमें से 25 अधिकारियों को बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद प्रतिष्ठित फ्लाइंग विंग्स प्रदान किए गए। इस अवसर पर सेना प्रशिक्षण कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल देवेद्र शर्मा ने कहा कि यह समारोह भारतीय सेना की उस व्यापक तैयारी का प्रतीक है, जिसके तहत अफसरों को आधुनिक युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा कि कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में पायलटों को लगभग तीन महीने की अवधि में बेसिक, एडवांस्ड और कॉम्बैट-खास ट्रेनिंग दी जाती है। उन्होंने बताया कि पिछले 23 सालों में इस संस्थान ने 1,794 अधिकारियों को ट्रेनिंग दे कर तैयार किया है, जिनमें लगभग 20 महिला अधिकारी भी शामिल हैं। इसके अलावा मित्र देशों के सैन्य अधिकारियों को भी यहां ट्रेनिंग दी गई है।

● सीएटीएस की बढ़ती क्षमता और आधुनिक प्रशिक्षण- सीएटीएस की स्थापना के समय यहां केवल 3 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित होते थे। वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 18 अलग-अलग कोर्स तक पहुंच गई है। हर वर्ष लगभग 150 अधिकारियों को विभिन्न एविएशन और ऑपरेशनल कोर्स के तहत प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण में हेलीकॉप्टर संचालन, सामरिक उड़ान, युद्धक्षेत्र समन्वय और आधुनिक हवाई अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। भारतीय सेना में आर्मी एविएशन को हाल के वर्षों में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका मिली है।

किसी की कोई बपौती नहीं, बंगला खाली होगा

- सीएम सम्राट का जवाब, बोले-ये राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास खाली करने के विवाद के मामले को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को पहली प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है। यहां किसी की कोई बपौती नहीं है। बंगला खाली होगा। अगर कोई गुंडा गर्दी करेगा तो उसको पकड़कर जेल में डाला जाएगा। मुजफ्फरपुर में सीएम ने सभा की।

● नीतिश कुमार को सीएम सम्राट ने दिया धन्यवाद- सीएम सम्राट चौधरी ने नीतिश कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें कोई नोटिस नहीं गया, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद से हटते ही सीएम आवास खाली कर दूसरे आवास में चले गए। लोकतंत्र में लोग उसे देखना चाहते हैं जो जनता के सेवक होते हैं। मैंने मुख्यमंत्री आवास के सामने लोक सेवक का आवास भी लिखवा दिया है। सभा को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होता है।

अंत्योदय परिवारों के वरिष्ठ नागरिक श्री सोमनाथ यात्रा के लिए 6 जून तक सरल पोर्टल पर करें आवेदन : डीसी आयुष सिन्हा

‘पहले आओ-पहले पाओ’ के आधार पर मिलेगी स्पेशल ट्रेन में सीट, मेडिकल प्रमाण पत्र अनिवार्य

फरीदाबाद। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक मनाए जा रहे ‘सोमनाथ स्वाभिमान पर्व’ के अंतर्गत हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के अंत्योदय परिवारों के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की निशुल्क धार्मिक यात्रा कराने का निर्णय लिया है। इच्छुक श्रद्धालु 6 जून तक हरियाणा सरकार के सरल हरियाणा पोर्टल saralharyana.gov.in/ पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले श्रद्धालुओं से जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय, फरीदाबाद को भी इसकी सूचना देने का आह्वान किया। डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि श्रद्धालुओं को ‘पहले आओ-पहले पाओ’ के आधार पर स्पेशल ट्रेन में सीट उपलब्ध करवाई जाएगी। यह विशेष ट्रेन कुरुक्षेत्र से चलकर करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों से होते हुए श्री सोमनाथ पहुंचेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 8 जून को कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन से इस स्पेशल ट्रेन को श्री सोमनाथ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि यात्रा के दौरान स्पेशल ट्रेन तथा धार्मिक स्थल पर किसी भी प्रकार का नशा पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। केवल पंजीकृत श्रद्धालुओं को ही ट्रेन में यात्रा की अनुमति होगी। बिना पंजीकरण और सहमति के यात्रा करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों को जांच के दौरान आवश्यक दस्तावेज या पहचान पत्र प्रस्तुत न करने की स्थिति में बीच मार्ग में ही ट्रेन से उतारा जा सकता है, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित व्यक्ति की होगी। उन्होंने बताया कि पंजीकरण और सहमति देने के बाद यदि कोई श्रद्धालु यात्रा पर नहीं जाता है तो उसे यात्रा का लाभ प्राप्त माना जाएगा तथा अगले तीन वर्षों तक इस प्रकार की किसी भी सरकारी तीर्थ यात्रा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को अपनी मेडिकल हिस्ट्री की जानकारी उपलब्ध करानी होगी तथा अधिकृत चिकित्सक द्वारा जारी फिटनेस प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से तीर्थ यात्रियों के रहने, भोजन और स्थानीय परिवहन की समुचित व्यवस्था की जाएगी। यात्रा के लिए आवेदन करते समय वैध फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड अथवा अन्य सरकारी पहचान पत्र), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए सक्षम होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने संबंधी घोषणा पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। डीसी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का हरियाणा का निवासी होना तथा उसका परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। योजना के नियमों के अनुसार कोई भी पात्र व्यक्ति प्रत्येक तीन वर्ष में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ उठा सकेगा।

ईएसआईसी ने रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों और औषधालयों में एक केंद्रीकृत ऑनलाइन रोगी फीडबैक प्रणाली शुरू की

रोगी अब विभिन्न डिजिटल चैनलों के माध्यम से स्वच्छता, कर्मचारियों के व्यवहार और दवाओं की उपलब्धता पर सीधे फीडबैक दे सकते हैं

फरीदाबाद। चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने देशभर में अपने सभी अस्पतालों एवं औषधालयों में एक व्यापक केंद्रीकृत ऑनलाइन रोगी फीडबैक प्रणाली सफलतापूर्वक लागू कर दी है। यह डिजिटल पहल बीमित व्यक्तियों (आईपी) एवं अन्य रोगियों को अपने स्वास्थ्य सेवा अनुभव साझा करने, शिकायतें एवं सुझाव दर्ज कराने तथा स्वास्थ्य संस्थानों के प्रदर्शन में सुधार हेतु प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर प्रदान करेगी।

नई प्रणाली के माध्यम से रोगी स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे अस्पताल एवं परिसर की स्वच्छता, चिकित्सा एवं सहायक कर्मचारियों का व्यवहार, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य सेवा संबंधी अनुभवों पर अपना फीडबैक आसानी से दर्ज कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की प्रतिक्रिया को सीधे स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन से जोड़ते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करना है।

रोगियों की अधिकतम भागीदारी और सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ईएसआईसी द्वारा फीडबैक प्राप्त करने के कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। ईएसआईसी एचआईएस (धनवंतरी) मॉड्यूल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के तुरंत बाद बीमित व्यक्ति के मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए एक सीधा फीडबैक लिंक भेजा जाता है। इसके अतिरिक्त सभी ओपीडी और अस्पताल परिसरों में प्रमुख स्थानों पर बहुभाषी पोस्टरों के माध्यम से क्यूआर कोड प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें स्कैन कर लाभार्थी तत्काल अपना फीडबैक साझा कर सकते हैं। रोगी आधिकारिक ईएसआईसी वेबसाइट के माध्यम से भी सीधे अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा सकते हैं। उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस से युक्त इस प्रणाली में लाभार्थियों को केवल अपने मोबाइल फोन से क्यूआर कोड स्कैन करना, अपना आईपी नंबर दर्ज करना, सेवा अनुभव को रेट करना तथा कुछ ही सेकंड में अपना फीडबैक सबमिट करना होता है। फीडबैक की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम में ओटीपी आधारित सत्यापन प्रक्रिया लागू की गई है, जिसके माध्यम से आईपी विवरणों का तत्काल सत्यापन किया जाता है। साथ ही डुप्लिकेट फीडबैक को रोकने के लिए विशेष तकनीकी प्रावधान भी किए गए हैं। देश के विविध भाषाई समूहों को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म में व्यापक बहुभाषी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

रोगियों द्वारा प्राप्त फीडबैक पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए इस प्रणाली में मजबूत एवं भूमिका-आधारित डिजिटल डैशबोर्ड विकसित किए गए हैं। इनके माध्यम से मुख्यालय स्तर, क्षेत्रीय कार्यालय स्तर तथा स्थानीय ईएसआई स्वास्थ्य संस्थानों के स्तर पर सेवाओं की निरंतर निगरानी की जा सकेगी। यह व्यवस्था प्रशासनिक अधिकारियों को वास्तविक समय में प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने में सहायता प्रदान करेगी। विशेष रूप से, सिस्टम में ऐसा स्वचालित चेतावनी तंत्र विकसित किया गया है जो 3 से कम सेवा रेटिंग प्राप्त होने पर संबंधित मामलों को स्वतः चिन्हित कर देता है। इससे गंभीर समस्याओं की शीघ्र पहचान संभव होगी तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा समय पर एवं लक्षित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त यह प्लेटफॉर्म विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों की प्रदर्शन रैंकिंग तैयार करने में भी सक्षम है, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, निरंतर सुधार तथा संस्थागत जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल देश के श्रमिकों एवं उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करती है। आधुनिक तकनीक आधारित यह फीडबैक प्रणाली स्वास्थ्य सेवा वितरण में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नागरिक सहभागिता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ईएसआईसी के मूलमंत्र ‘ईएसआईसी - बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रतिबद्ध’ को सार्थक रूप से प्रतिबिंबित करती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में ब्लॉक स्तरीय पारंपरिक योगासन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

फरीदाबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आज खेल परिसर, सेक्टर-12, फरीदाबाद में ब्लॉक स्तरीय पारंपरिक योगासन प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन आयुष विभाग फरीदाबाद, हरियाणा योग आयोग, फरीदाबाद योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, खेल विभाग फरीदाबाद एवं शिक्षा विभाग फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी डॉ. कर्मवीर उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए योग को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन का आधार बताते हुए नियमित योग अभ्यास अपनाने का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में फरीदाबाद एवं बल्लभगढ़ ब्लॉक के अंडर-18 तथा 18-55 वर्ष आयु वर्ग के बालक, बालिका, पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न पारंपरिक योगासनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मनीषा लांबा, जिला योग समन्वयक डॉ. सीमा एवं योग विशेषज्ञ डॉ. विकास उपस्थित रहे। फरीदाबाद योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से सेक्रेटरी जनरल अंकुर सिंह एवं सेक्रेटरी श्याम कुमार ने आयोजन का सफल संचालन किया। जिला खेल विभाग की ओर से जिला खेल अधिकारी निलेश तथा शिक्षा विभाग की ओर से ए.ई.ओ. हरवीर उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में फरीदाबाद योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से श्वेता अनेजा, नाजनीन फिरदौस, अनिल, राजू, जतिन, अंकित, मनीषा, अंशिका, अजीत भाटी एवं शोभा रानी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त आयुष विभाग के लगभग 25 योग सहायकों ने निर्णायक, तकनीकी अधिकारी एवं अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे: फरीदाबाद ब्लॉक अंडर-18 बालक वर्ग में भविष्य ने प्रथम स्थान, ऋषभ कुमार ने द्वितीय स्थान, आदित्य राज ने तृतीय स्थान, अंश सिंह ने चौथा स्थान तथा वंशु ठाकुर ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। फरीदाबाद ब्लॉक अंडर-18 बालिका वर्ग में मेहर अनेजा ने प्रथम स्थान, अर्पिता ने द्वितीय स्थान, समृद्धि ने तृतीय स्थान, भूमिका ने चौथा स्थान तथा अंकिता ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। फरीदाबाद ब्लॉक 18-55 पुरुष वर्ग में कुनाल ने प्रथम स्थान तथा ऋषिकांत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फरीदाबाद ब्लॉक 18-55 महिला वर्ग में अंजली ने प्रथम स्थान, अनन्या ने द्वितीय स्थान, जयंती ने तृतीय स्थान, गुंगुन कुमारी ने चौथा स्थान तथा ऋषिता ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। बल्लभगढ़ ब्लॉक अंडर-18 बालक वर्ग में अक्षत गुप्ता ने प्रथम स्थान, अर्नव ने द्वितीय स्थान, हार्दिक पंचाल ने तृतीय स्थान, बादल कुमार चौहान ने चौथा स्थान तथा विमलेश ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। बल्लभगढ़ ब्लॉक अंडर-18 बालिका वर्ग में अंशिका ने प्रथम स्थान, कीर्ति ने द्वितीय स्थान, यशिका ने तृतीय स्थान, कनिका ने चौथा स्थान तथा वंशिका ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। बल्लभगढ़ ब्लॉक 18-55 पुरुष वर्ग में बलवीर ने प्रथम स्थान, आनंद चौधरी ने द्वितीय स्थान, नारायण सिंह ने तृतीय स्थान तथा अंकित कुमार ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

बल्लभगढ़ ब्लॉक 18-55 महिला वर्ग में कोमल ने प्रथम स्थान, संगीता शर्मा ने द्वितीय स्थान, निर्मला कुमारी ने तृतीय स्थान, मुस्कान ने चौथा स्थान तथा गरिमा ने पांचवां स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी जिला स्तरीय पारंपरिक योगासन प्रतियोगिता, दिनांक 09 जून 2026 को फरीदाबाद में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए किया गया है। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, तकनीकी अधिकारियों एवं सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त करते हुए चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दीं।

‘ज्ञान भारतम् मिशन’ के तहत दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियों का डेटाबेस किया जा रहा है तैयार : एडीसी अंजलि श्रोत्रिया

- पांडुलिपि धारकों का स्वामित्व रहेगा पूर्णतः सुरक्षित

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अंजलि श्रोत्रिया ने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से संचालित ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत जिले में प्राचीन पांडुलिपियों, हस्तलिखित ग्रंथों तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों की खोज एवं डिजिटलीकरण अभियान को गंभीरता और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी संभावित स्थलों, धार्मिक संस्थानों, गुरुद्वारों, जैन मंदिरों, आर्य समाज संस्थाओं, संस्कृत विद्यालयों, आश्रमों, ज्योतिष एवं नाड़ी केंद्रों, पुराने पुस्तक विक्रेताओं तथा स्वतंत्रता सेनानियों एवं ऐतिहासिक परिवारों के वंशजों से संपर्क स्थापित कर उपलब्ध प्राचीन दस्तावेजों की जानकारी जुटाई जाए। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने कहा कि कई बार मूल्यवान पांडुलिपियां निजी व्यक्तियों, वैद्यों, ज्योतिषाचार्यों अथवा धार्मिक संस्थानों के पास सुरक्षित रहती हैं, इसलिए फील्ड स्तर पर व्यक्तिगत प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक संभावित स्थल का भौतिक निरीक्षण सुनिश्चित करें तथा जहां कोई सामग्री उपलब्ध नहीं मिले, वहां संबंधित संस्था अथवा विभाग से नॉन-अवेलेबिलिटी प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम् ऐप के माध्यम से प्राप्त पांडुलिपियों की फोटो एवं विवरण तत्काल अपलोड किए जाएं ताकि जिले का योगदान इस राष्ट्रीय अभियान में प्रभावी रूप से दर्ज हो सके। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने कहा कि जिले के सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आगामी बैठक से पूर्व अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य केवल दस्तावेजों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहरों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करना है, जिससे भावी पीढ़ियों के लिए इस अमूल्य विरासत का संरक्षण किया जा सके।

एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने आह्वान किया कि ज्ञान भारतम् मिशन के तहत आम नागरिक भी अपनी पांडुलिपियों की जानकारी सेक्टर 12 लघु सचिवालय स्थित एडीसी कार्यालय को या सीधे gyanbharatam.com/ वेबसाइट या play.google.com/store/apps/details?id=com.gyanbharatam.app&pli=v मोबाइल ऐप के माध्यम से साझा कर सकते हैं। चिन्हित पांडुलिपियों को राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी में सुरक्षित रखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान में पांडुलिपि धारकों का स्वामित्व पूर्णतः सुरक्षित रहेगा। बैठक में एडिशनल नगर निगम कमिश्नर गौरव अंतिल, बल्लभगढ़ एसडीएम मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

बल्लबगढ़ डीसीपी प्रतीक अग्रवाल, आईपीएस ने लौटाए गुम हुए मोबाइल फोन

साइबर सेल टीम ने तकनीकी सहायता से ढूंढे 20 मोबाइल

फरीदाबादः। भेदी नजर, सुनील कुमार जांगड़ा, फरीदाबाद पुलिस द्वारा आमजन की सहायता एवं उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में साइबर सेल बल्लभगढ़ की टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए तकनीकी सहायता एवं सी ई आई आर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए 20 मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक ट्रेस कर बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 2 जून को पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ़, प्रतीक अग्रवाल ने बरामद किए गए मोबाइल फोन को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा है। लोगों ने अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर खुशी व्यक्त करते हुए फरीदाबाद पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर सेल बल्लबगढ़ की टीम द्वारा प्राप्त शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए सी ई आई आर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन की लोकेशन और उपयोग संबंधी तकनीकी जानकारी का विश्लेषण किया गया। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप 20 गुमशुदा मोबाइल फोन को खोजकर बरामद किया गया।

बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लाखों रुपये है।

डीसीपी बल्लबगढ़, प्रतीक अग्रवाल ने साइबर सेल की टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि फरीदाबाद पुलिस नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग से गुम हुई संपत्ति को उसके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल फोन गुम हो जाता है तो वह तुरंत सीईआईआर पोर्टल httpsÑ//www.ceir.gov.in/Home/inde&.jsp पर शिकायत दर्ज कराए। शिकायत दर्ज होने के बाद मोबाइल फोन को ट्रैक करने और बरामद करने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

यथार्थ हॉस्पिटल में हुई क्षेत्र की पहली अनोखी द्विपक्षीय कॉक्लियर इम्प्लांट सफल सर्जरी

फरीदाबाद, रामरतन नर्वत : ईएनटी तथा हियरिंग रिस्टोरेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए यथार्थ हॉस्पिटल, सेक्टर-88 फरीदाबाद के चिकित्सकों ने उन्नत वेरिया (ड्ढद्गह्लद्बड्ड) तकनीक का उपयोग कर पोस्ट-लिंगुअल बधिरता से पीड़ित एक वयस्क मरीज की क्षेत्र की पहली द्विपक्षीय (दोनों कानों में) कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की है। यह अत्यंत जटिल सर्जरी मात्र तीन घंटे में पूरी की गई, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह समय कई पारंपरिक एकतरफा मास्टॉयडेक्टॉमी सर्जरी से भी कम है। इस सफल ऑपरेशन को डॉ. (प्रो.) आनंद गुप्ता, रीजनल डायरेक्टर एवं एचओडी ईएनटी एवं हेड एंड नेक कैंसर ने अंजाम दिया, जिससे न्यूनतम चीरा आधारित कॉक्लियर इम्प्लांट प्रक्रियाओं में एक नया मानक स्थापित हुआ है। पोस्ट-लिंगुअल बधिरता ऐसी स्थिति होती है, जिसमें व्यक्ति बोलने और भाषा विकसित करने के बाद अपनी सुनने की क्षमता खो देता है। इससे संचार में गंभीर बाधाएं, मानसिक तनाव और जीवन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है। इस उपलब्धि पर डॉ. (प्रो.) आनंद गुप्ता ने कहा, ‘यह सर्जरी कॉक्लियर इम्प्लांट तकनीक के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वेरिया तकनीक के माध्यम से पोस्ट-लिंगुअल बधिर वयस्क मरीज में दोनों कानों का कॉक्लियर इम्प्लांट मात्र तीन घंटे में पूरा करना हमारी सर्जिकल दक्षता और तकनीकी प्रगति को दर्शाता है।

यह तकनीक ऑपरेशन से होने वाले आघात को कम कर सकती है, रिकवरी अवधि को छोटा बना सकती है और गंभीर श्रवण हानि वाले मरीजों के लिए बेहतर दीर्घकालिक परिणाम प्रदान कर सकती है।

ठेकेदार हत्याकांड में क्राइम ब्रांच ने मुख्य शूटर सहित 3 और आरोपितों को किया गिरफ्तार:सीपी सतेंद्र कुमार गुप्ता

फरीदाबादः। भेदी नजर, सुनील कुमार जांगड़ा, पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस द्वारा संगीन अपराधों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। 22 मई को डबुआ थाना क्षेत्र के अंतर्गत गाजीपुर स्थित एक वर्कशॉप में योगेश कुमार नामक लेबर ठेकेदार की हत्या के मामले में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने 1 जून को 3 और आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

जिनकी पहचान मौसम व विकास कुमार वासी गांव चन्देली कर्मन चख जिला पूर्णिया बिहार तथा नीरज कुमार वासी गांव खैरव जिला मध्यपुरा, बिहार के रूप में हुई है।

जांच में सामने आया कि इस हत्या के पीछे ठेकेदारी के काम को लेकर आपसी विवाद और वर्चस्व की रंजिश थी।

आरोपित मौसम, पहले योगेश कुमार के पास लेबर का काम करता था। अब वह लेबर ठेकेदारी का काम करना चाहता था, जिसको लेकर उसकी योगेश कुमार के साथ कहासुनी और विवाद हुआ था।

इसी के चलते ठेकेदार को रास्ते से हटाने की उसने साजिश रची और अपने साथियों के साथ पूर्णिया बिहार से योगेश कुमार का पीछा करते हुए फरीदाबाद आया तथा 22 मई की अल सुबह घटना को अंजाम दिया।

पुलिस प्रवक्ता अनुसार मौसम ने सोते समय योगेश कुमार ठेकेदार पर गोली चलाई थी। विकाश व नीरज वारदात के समय घटनास्थल की निगरानी (रेकी) कर रहे थे। वारदात की साजिश और सहयोग में शामिल 2 आरोपित पहले ही गिरफ्तार किये जा चुके हैं। साथ ही हथियार उपलब्ध कराने वाले 2 आरोपितों भी बिहार से गिरफ्तार किया जा चुका है।

घटनाक्रम में अब तक पुलिस ने कुल 7 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

मौसम को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, वहीं विकाश व नीरज को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश प्राप्त हुए हैं

गेस्ट अध्यापकों ने मंत्री राजेश नागर का किया स्वागत, नियमितीकरण प्रक्रिया को लेकर सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। भेदी नजर, वंदना,

आज प्रदेश के गेस्ट अध्यापक अपनी मांगों एवं नियमितीकरण की प्रक्रिया को लेकर हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर के निवास स्थान पर पहुंचे। इस अवसर पर गेस्ट अध्यापकों ने मंत्री राजेश नागर का भव्य स्वागत करते हुए सरकार द्वारा उनके हितों में किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

शिक्षकों ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गेस्ट अध्यापकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए हैं, जिससे उनमें आशा और विश्वास का संचार हुआ है।

उन्होंने मंत्री राजेश नागर के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का धन्यवाद व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि अब उन्हें जल्द ही नियमित नियुक्तियां भी दी जाएंगी।

इस दौरान गेस्ट अध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को संबोधित ज्ञापन भी मंत्री राजेश नागर को सौंपा।

ज्ञापन में नियमितीकरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने तथा शिक्षकों को जल्द से जल्द जॉइनिंग दिलाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि लंबे समय से प्रदेश के विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे गेस्ट अध्यापक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, इसलिए उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

मंत्री राजेश नागर ने गेस्ट अध्यापकों को आश्वस्त किया कि इस विषय पर जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और इस विषय पर सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रही है।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि नियमितीकरण और जॉइनिंग से संबंधित मामलों में जल्द उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में युवक की चाकू से 15 बार गोदकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के न्यू उस्मानपुर इलाके में चाकू से ताबड़तोड़ वार करके 17 साल के नाबालिग की हत्या कर दी। मृतक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। नाबालिग के शरीर पर चाकू के 15 से अधिक निशान मिले हैं। आशंका है रंजिश में हत्या को अंजाम दिया गया है। न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है। अभिषेक अपने परिवार के साथ पांचवा पुश्ता उस्मानपुर में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। परिवार ने बताया कुछ माह पहले कुछ युवकों से अभिषेक का झगड़ा हुआ था। आरोपित जेल भी गए थे। जेल से आने के बाद वह अभिषेक को धमकियां दे रहे थे। सोमवार रात को अभिषेक किसी काम से घर से बाहर गया था। आरोप है जिनसे झगड़ा हुआ था, उन दो लोगों ने अभिषेक को घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अब तक दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पुलिस ने दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है।

ओएसएम विवाद में फंसी कंपनी हो सकती है ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई की 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लागू की गई आन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़े विवाद के बीच शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) डिजिटल परीक्षा सेवा प्रदाता कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर विचार कर रहा है। सीबीएसई से जुड़े सूत्रों के अनुसार कंपनी पर भारी आर्थिक दंड लगाने से लेकर भविष्य के सरकारी अनुबंधों से बाहर करने तक के विकल्पों पर चर्चा चल रही है। मामला उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया में सामने आई तकनीकी गड़बड़ियों से जुड़ा है। इसमें हजारों उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापियों में धुंधली छवियां, पन्नों के क्रम में गड़बड़ी और अन्य संरचनात्मक त्रुटियां सामने आई हैं। इन शिकायतों के बाद सीबीएसई ने मामले की समीक्षा शुरू की है। सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले कंपनी पर अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को लेकर भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है। बोर्ड स्तर पर इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा यदि जांच में गंभीर लापरवाही या निविदा प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता साबित होती है तो कंपनी को केंद्र सरकार की भविष्य की परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने पर भी विचार किया जा सकता है। ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रावधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया था। हालांकि, इससे जुड़ा एक कानूनी पहलू भी सामने आया है। पिछले वर्ष जारी निविदा दस्तावेज में ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रविधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया था। इसके बावजूद अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड के पास आवश्यक परिस्थितियों में किसी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार सुरक्षित है। सूत्रों के अनुसार एक अन्य विकल्प कंपनी के अनुबंध का नवीनीकरण नहीं करना भी है। बोर्ड के भीतर यह राय बन रही है कि भविष्य की परीक्षा प्रक्रियाओं में कंपनी को दोबारा जिम्मेदारी न सौंपी जाए और ओएसएम प्रणाली का विस्तार अन्य विषयों और कक्षाओं में करने से पहले इसकी व्यापक समीक्षा की जाए।

दूसरी ओर कुछ अधिकारियों का कहना है कि कंपनी का चयन केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल के माध्यम से सामान्य वित्तीय नियमों के तहत पारदर्शी प्रक्रिया से किया गया था और वह सबसे कम बोली लगाने वाली पात्र एजेंसी के रूप में उभरी थी। वहीं कंपनी से जुड़े लोगों का दावा है कि प्लेटफार्म ने निर्धारित तरीके से काम किया और सामने आई तकनीकी समस्याएं कुल मूल्यांकन प्रक्रिया के मुकाबले बेहद सीमित मामलों तक ही थीं।

34 दिन में चार्जशीट, 8 दिन में ट्रायल पूरा; नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार थाना पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के एक बेहद गंभीर मामले में त्वरित जांच और प्रभावी पैरवी के जरिए आरोपित को उम्रकैद की सजा दिलाने में सफलता हासिल की है। तीस हजारी कोर्ट ने दोषी को उसके शेष प्राकृतिक जीवन तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए पीड़िता के लिए 16.5 लाख रुपये के मुआवजे को भी मंजूरी दी है। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज होने के 34 दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने भी तत्परता दिखाई और आठ दिनों में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपित को दोषी करार देते हुए उसे सजा सुना दी।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त उपायुक्त विक्रम सिंह ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, बीते 17 अप्रैल को एक नाबालिग पीड़िता अपने माता-पिता के साथ निहाल विहार थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपित राम शंकर, जो पहले उसके घर के सामने रहता था और परिवार के संपर्क में था, ने जुलाई 2025 में उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया था।

आरोपित ने कथित तौर पर उसके भाई-बहनों को पैसे देकर घर से बाहर भेज दिया और इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने किसी को भी बताया, तो वह उसकी छोटी बहन के साथ भी ऐसा ही करेगा। डरा धमकाकर आरोपित महीनों तक दुष्कर्म करता रहा। बाद में जब पीड़िता गर्भवती हुई, तब उसने अपनी मां को आपबीती सुनाई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और पाक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर एसीपी राजबीर लांबा की निगरानी और एसएचओ शीश पाल की निगरानी में एसआई मनीषा ने जांच शुरू की। मेडिकल परीक्षण में पीड़िता के 32 सप्ताह और 4 दिन की गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित राम शंकर को शिकायत दर्ज होने के दिन ही निहाल विहार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

जांच टीम ने महज 34 दिनों के भीतर अदालत में चार्जशीट दाखिल किया। पुलिस द्वारा अदालत के समक्ष प्रस्तुत डीएनए प्रोफाइलिंग सहित वैज्ञानिक साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने केवल आठ दिनों में ट्रायल पूरा कर लिया। सभी दोष सिद्ध होने पर 30 मई को अदालत ने आरोपित को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिसके तहत अब उसे अपना शेष प्राकृतिक जीवन जेल में ही काटना होगा।

निहाल विहार पुलिस ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के साथ बेहतर समन्वय बनाकर पिछले दो महीनों में दो अन्य अपराधियों को भी उनके अंजाम तक पहुंचाया है। इलाके के ही एक जानकार ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा किया और उसका यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस की स्पेशल टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से पीड़िता को सुरक्षित छुड़ाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। इस मामले में भी 30 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया गया और फास्ट ट्रैक कोर्ट ने त्वरित सुनवाई करते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपित रवि कुमार ने देर रात एक सुनसान जगह का फायदा उठाकर महिला को बंधक बनाया और उसके साथ बर्बरतापूर्वक दुष्कर्म किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम ने सीधे मौके पर पहुंचकर पुख्ता इलेक्ट्रानिक व जैविक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रिकार्ड समय में चार्जशीट पेश की, जिसके चलते स्थानीय कोर्ट ने आरोपी की सभी जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उसे उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा से दंडित किया। वैज्ञानिक साक्ष्यों और त्वरित जांच के बल पर हमने अपराधियों को रिकार्ड समय में सजा दिलवाकर समाज में कड़ा संदेश दिया है।

पॉक्सो मामला: पीड़िता की पहचान उजागर करने पर आप के पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी स्थित स्कूल में बच्ची के साथ दुष्कर्म से जुड़े मामले में नाबालिग पीड़िता की पहचान कथित रूप से सार्वजनिक करने के आरोप में पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज के खिलाफ जनकपुरी थाने में प्राथमिकी हुई है। यह प्राथमिकी पुलिस ने बीएनएस की धारा 72, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 74 तथा पाक्सो अधिनियम की धारा 23(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले दक्षिण-पश्चिम जिला की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी)- ने 13 मई को मामले का संज्ञान लेते हुए जनकपुरी थाना प्रभारी से एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी थी। साथ ही समय पर सूचना नहीं देने के लिए नाराजगी जताई थी।

इस मामले में 12 मई को अधिवक्ता प्रवीण नारायण ने सीडब्ल्यूसी-के समक्ष एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत मिलने के बाद समिति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जनकपुरी थाना पुलिस से की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा था। इसके बाद पुलिस ने शिकायत की जांच कर पूर्व विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जनकपुरी थाने में दर्ज इस प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता अधिवक्ता प्रवीण नारायण ने आरोप लगाया है कि 11 मई को पूर्व विधायक ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल और आम आदमी पार्टी के आधिकारिक फेसबुक पेज पर प्रसारित एक प्रेस वार्ता के दौरान ऐसे तथ्य और विवरण सार्वजनिक किए, जिनसे पाक्सो मामले की साढे तीन साल की पीड़िता की पहचान प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से उजागर हो गई थी, जिसमें उसके स्कूल के ही केयरटेकर ने नामांकन के दूसरे दिन ही बच्ची के साथ वारदात को अंजाम दिया था।

29 अप्रैल की इस घटना में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था, जिसे सात मई को द्वारका कोर्ट से जमानत मिल गई थी। बाद में पुलिस ने उच्च न्यायालय में इस जमानत को खारिज करने के लिए याचिका दायर की थी। शिकायत में कहा गया है कि यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ित की पहचान गोपनीय रखना कानूनन अनिवार्य है। आरोप है कि इंटरनेट मीडिया पर साझा की गई जानकारी से न केवल कानूनी प्रविधानों का उल्लंघन हुआ, बल्कि पीड़िता की गरिमा, निजता और मानसिक सुरक्षा को भी ठेस पहुंची। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशीलता को देखते हुए जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में 5 जून तक बारिश के आसार, तपन भरी गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। तपन भरी गर्मी से दिल्ली-एनसीआर को आज भी राहत मिलती रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो दोपहर बाद अथवा शाम के समय शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में आई गिरावट बरकरार रहेगी। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही रहेगी। शाम या रात के समय तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती है।

नौतपा के अंतिम दिनों में गर्मी फिर से बेहाल करने लगी है। 28 मई से हुई बूंदाबांदी ने गर्मी से कुछ राहत दी थी, लेकिन फिर से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी परेशान करने लगी है। सोमवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

एक सप्ताह बाद फिर से दिन और रात के तापमान 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। गर्मी बढ़ने से बाजारों में रौनक कम होने लगी है। दिनभर मौसम उमस रहने से पसीने से तरबतर रहे। पार्क भी सुने रहे। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 3 से 5 जून तक बारिश होने के आसार हैं। इस बीच 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 6 जून से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी फिर से बढ़गी। मौसम साफ होने से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो सकता है। लू चलने के आसार भी जताए हैं। उधर, मंगलवार को सुबह 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 99 दर्ज किया गया। इसे 'संतोषजनक' श्रेणी में रखा जाता है। संतोषजनक श्रेणी में ही चल रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

दिल्ली के सरकारी स्कूल बनेंगे डिजिटल और पर्यावरण अनुकूल, 2027 तक 'जीरो वेस्ट कैंपस' का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक तैयार करने और उनमें तकनीकी व पर्यावरण अनुकूल माहौल बनाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को संवाद कार्यक्रम के तहत जनकपुरी के पोशंगीपुरी स्थित सीएम श्री स्कूल में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों और स्कूल प्रमुखों के साथ हाइब्रिड मोड में सीधा संवाद किया। इस कार्यक्रम में कुल पांच जिलों और 11 जोनों के 422 सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों और स्कूल में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक, जिला एवं जोनल उप शिक्षा निदेशक समेत शिक्षा निदेशालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता को मुख्य एजेंडा बताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों को मार्च 2027 तक अपने परिसरों को ''जीरो वेस्ट कैंपस'' में बदलना होगा। इसके लिए उन्होंने स्कूलों को कचरा अलग करने, रीसाइक्लिंग, कम्पोस्टिंग और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग जैसी तकनीकों को अपनाने के निर्देश दिए।

उत्तर मध्य रेलवे

No. GSU/EI/PRYJ/EIG/HGJ/2026 Dated: 29.05.2026

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25 के.वी., 50 हर्टज ए.सी. सिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाईन को सबसमय विधुतमय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति को उस सिरोपरि कर्षण लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं दिया जायेगा।

मण्डल :- प्रयागराज, दिनांकः 19.06.2026 को अथवा उसके पश्चात

खण्डः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अलीगढ़-बरेली खण्ड में हरदुआगंज यार्ड लाइन नं.15 के किमी 153/3025C से L-15/4A के मध्य।

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट
1224/26(DG) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्वोत्तर रेलवे निविदा सूचना संख्याः 04 दिनांकः 01.06.2026

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रवन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्ते वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रम सं0.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	मात्रा
1	22261414	15/10/26	कान्स्टेन्ट कान्टैक्ट पालीयूरेथीन साइड ईटीसी	1222 Nos.
2	22261097	13/10/26	नान एस्बेस्टस बेस्ड आर्गेनिक ब्रेक पैड 400 ईटीसी	27767 Sets
3	22260778	08/10/26	थर्मोप्लास्टिक पालिस्टर इलास्टोमर ईटीसी	12147 Nos.
4	22260575	06/10/26	लोवर स्प्रिंग शीट फार एक्सल बाक्स ईटीसी	5950 Nos.
5	22261140	29/09/26	कपुलर बाजी एण्ड शैंक वियर प्लेट फार नान ईटीसी	1926 Nos.
6	22250851A	24/09/26	थर्मोप्लास्टिक पालिस्टर इलास्टोमर ईटीसी	19656 Nos.
7	22250229A	17/09/26	डबुल एक्टिंग हाइड्रालिक शाक आब्जर्बर ईटीसी	2233 Nos.
8	22261545	15/09/26	किट फार पाली यूरेथीन (पीयू) कान्स्टेन्ट ईटीसी	5850 Nos.
9	22261106	10/09/26	या डैम्पर फार फिएट टाईप बोगी आरडीएसओ ईटीसी	2082 Nos.
10	22260216	25/08/26	रियर कवर फार एक्सल बाक्स (ग्रैविटी डाई) ईटीसी	4062 Nos.
11	22260215	04/08/26	एक्सल बाक्स हाउसिंग फिनिश मशीन्ड ईटीसी	3005 Nos.
12	22261809	28/07/26	मेन्टेनेन्स किट 01 फार अर्थिंग इक्यूपमेंट ईटीसी	4637 Nos.
13	22260727	27/07/26	एफआरपी विण्डो असेम्बली कम्पली ईटीसी	1446 Nos.
14	22262190	23/07/26	इन्टरकार गैंगवे माउन्टिंग आरसीएफ ड्राइंग ईटीसी	800 sets.
15	22262092	21/07/26	अर्थिंग केबुल कम्पलीट 70 स्क्वा० एमएम ईटीसी	6500 Nos.
16	23261024	21/07/26	एल्यूमिनियम चेकर्ड शीट साईज 2774 x 82 ईटीसी	47230 kgs.
17	22261511	09/07/26	डस्टबीन असेम्बली (कम्पलीट) टू आईसीएफ ड्राइंग ईटीसी	8261 Nos.
18	22262062	07/07/26	इन्स्टालेशन लीवर असेम्बली ईटीसी	10250 Nos.
19	24261056	07/07/26	सेट आफ फिक्स एण्ड मोबाईल कान्टैक्ट आफ 1500 ईटीसी	750 Nos.
20	22261468	02/07/26	कास्ट स्टील बोल्स्टर (फार मोडिफाइड) ईटीसी	154 Nos.
21	24260850	30/06/26	एक्सल बाक्स असेम्बली कम्पलीट एलांग विथ ईटीसी	225 sets.
22	33261060	29/06/26	अन इन्सुलेटेड कैडमियम कापर कैटेनरी ईटीसी	51.61 Mtrs.
23	22261169	29/06/26	एडाप्टर (नैरो जॉ) क्लास ई 6" x 11" ईटीसी.	20741 Nos.
24	28261043	24/06/26	हाई परफार्मेंस एन्टी कोरिजन इपाक्सी ईटीसी	75700 kgs.
25	24250076A	24/06/26	आक्जिलरी कैम स्वीच कम्पलीट ऐज पर बीटी ईटीसी	5515 Nos.
26	22261335	23/06/26	व्हील सेट अर्थिंग इक्यूपमेंट फार एलएचबी ईटीसी	1995 sets.
27	22261756	23/06/26	एअर स्प्रिंग असेम्बली कैपेसीटी 120 केएन ईटीसी	62 Nos.
28	24260988	22/06/26	फैब्रीकेटेड बोल्स्टर फार इलेक्ट लोको ईटीसी	09 Nos.
29	22262365	22/06/26	अर्थिंग केबुल कम्पलीट फार व्हील सेट ईटीसी	4450 Nos.
30	22262055	22/06/26	डूप्लेक्स चेक वाल्ब विथ 1.5 केजी पर सेमी ईटीसी	3061 Nos.
31	30260452	22/06/26	इमरजेन्सी बैटरी चार्जर कन्फर्मिंग ईटीसी	217 Nos.
32	22261192C	19/06/26	बाल ज्वाइंट ट्रैक्शन लीवर फार फिएट बोगी ईटीसी	24251 Nos.
33	24260028	17/06/26	प्राईमरी सस्पेंशन स्प्रिंग फार डब्लूएपी-4 लोको ईटीसी	597 Nos.
34	22251415C	17/06/26	बोगी सेन्टर पीवट टाप फार बोगी वैगन ईटीसी	2030 Nos.
35	24261020	17/06/26	मेटलाइज्ड कार्बन स्ट्रिप्स सुटेबुल फार ईटीसी	382 Nos.
36	24260268	17/06/26	हाई वोल्टेज बुशिंग ईटीसी	25 Nos.

मुजाधि / S-19 प्रमुख मुख्य सामाग्री प्रबन्धक गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या
एन-235-62 टेली टेण्डर-06-2026

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर /टेली/मुख्यालय/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई-टेन्डर आमंत्रित करते हैः-

(1) निविदा सूचना संख्याः एन-235-62 टेली टेण्डर-06-2026, (2) कार्य का नामः प्रोविजन ऑफ एलटीइ-ऍफडीडी बेस्ड वायरलेस टेक्निकल इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम बाय सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ एलटीइ-ऍफडीडी बेस्ड वायरलेस कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स अलोंग विथ एसोसिएटेड एक्सेसरीज फॉर वन लोकेशन इच एआरटी ऑफ एलजेएन डिवीजन एंड आईजेडएन डिवीजन, एन.ई. रेलवे। (3) निविदा लागतः ₹ 8,92,19,100.72 (आठ करोड़ बानवे लाख उन्नीस हजार एक सौ रूपये और बहत्तर पैसे मात्र), (4) बिड सिक्यूरिटी (बयाना धनराशि): ₹ 17,84,400/-, (5) ऑफर की वैधताः 60 दिन। (6) निविदा खोलने एवं बंद होने की तिथि तथा समयः दिनांक 30-06-2026, समय 12:30 बजे, (7) कार्य के पूर्ण करने की अवधिः 06 (छः) माह। (8) मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिये कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। (9) विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है।

नोटः निविदादाता/बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों/फार्मेट/अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजी./टेली/
मुजाधि/सिगनल-47 मुख्या., गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0 1:- ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरणः टेण्डर नं.- "05-जीकेपी-एमडब्लूएस-2026-27" "कन्वर्जन आफ कन्वेन्शनल आईसीएफ कोचेज टू ऑटोमोबाईल कैरियर ब्रेक वैन क्वान्टिटी 15 नम्बर्स कोचेज सैंक्संड अंडर पीएच-21 वाईड आरएसपी (बीओ) डब्ल्यूबी आइटम नंबर-797/25-26 - एलोकेशन -कैप फार जीकेपीएस/एनईआर" अनुमानित लागत (रू0में): ₹ 2,10,45,000.00, धरोहर राशि (रू0में): ₹ 4,20,900.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः-रू शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः 23.06.2026, 11.00 बजे, संविदा की अवधिः 12 माह।

उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखे।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./कार्य, यांत्रिक
मुजाधि/यांत्रिक-31 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/सामान्य, उ.प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय :** 18.06.2026 को 15.00 बजे तक **3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय :** 18.06.2026 को 15.00 बजे के बाद **निविदा सं:** 05-इलेक्ट/बीकेएन/ई-निविदा-26-27 **कार्य का विवरण :** Electrical work in c/w Raising of Medium Level PF No. 1 at Gajner & Nal and PF No. 1 & 2 at Diyatra Road and PF No. 1 at Sahuwala Halt from Rail Level to High Level stations over Bikaner Division along with extension to 480 Mtrs. **अनुमानित लागतः** ₹ 60,99,273/- **धरोहर रूपये :** ₹ 1,22,000/- **निविदा दस्तावेज लागत :** Nil

802-CQ/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 2026-मई-03 दिनांकः 29.05.2026

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये **"खुली निविदा"** ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.:1 निविदा सं.: 2026-मई-03-01	**अनुमानित लागत :** ₹ 1,60,00,000.00
कार्य का विवरणः जोन-1 आगरा कैंट-आगरा कैंट के उत्तरी क्षेत्र में स्थित सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)।**	
क्र.सं.:2 निविदा सं.: 2026-मई-03-02	**अनुमानित लागत :** ₹ 95,00,000.00
कार्य का विवरणः जोन-2 ईदगाह-आगरा कैंट (छोड़कर) से टूण्डला (छोड़कर), राजा की मंडी (छोड़कर) से यमुना ब्रिज के सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)।**	
क्र.सं.:3 निविदा सं.: 2026-मई-03-03	**अनुमानित लागत :** ₹ 1,60,00,000.00
कार्य का विवरणः जोन-8 आगरा कैंट-आगरा कैंट के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)।**	
क्र.सं.:4 निविदा सं.: 2026-मई-03-04	**अनुमानित लागत :** ₹ 70,00,000.00
कार्य का विवरणः जोन-9 आगरा कैंट- (छोड़कर) से वाद (छोड़कर) खंड के बीच सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)।**	

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेवपोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 19.06.26 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा कसती है। 1226/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता (टीएमसी) लाइन झाँसी निम्नलिखित कार्य के आन लाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना सं. : झाँसी-टीएमसी-05-2026	**अनुमानित लागत (Rs.) : 13875281.38**
कार्य का नाम : वर्क फॉर सप्लाई, असेंबलिंग, कमीशनिंग एण्ड मेंटेनिंग ऑफ न्यू टैम्पिंग बैंक्स फॉर यूनिमैट स्प्लिट हेड 275 एमएफआई ट्रैक मशीन्स विद वारंटी पीरियड।	
धरोहर राशि (Rs.) : 277500.00	**निविदा बन्द होने की तिथि : 26.06.2026**
कार्य समापन अवधि : 06 माह	

• निविदा उनके सामने दर्शायी गई तिथि को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदा सूचना का विवरण उपरोक्त कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है। **1231/26 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः डिप्टी सी0ई0-झांसी डब्लू-93 **दिनांकः** 01.06.2026

ई टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये उप मुख्य इंजीनियर/कारखाना/झाँसी हेतु आनलाईन ई टेन्डरिंग के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नामः झाँसी (आर0सी0एन0के0/झाँसी)- आर0सी0एन0के0/झाँसी में वर्षा जल संचयन और संबंधित कार्यों का शेष कार्य।	
अनुमानित लागत (रूपये): ₹ 11739011.75 (एक करोड़ सत्रह लाख उनतालीस हजार ग्यारह रुपये और पचहत्तर पैसे मात्र)	
अमानत राशि (रूपये): ₹ 234800/-	**निविदा प्रपत्र कर मूल्य रूपयेः** कुछ नही
निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 24.06.2026 15:30 बजे	
स्वीकृत पत्र जारी समय होने से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह	

पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के साईट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1225/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-136	
कार्य का नाम : सप्लाईंग एण्ड स्टेकिंग ऑफ एसकेवी वेल्डिंग पोर्शन फॉर 60केजी 90यूटीएस / 60 केजी/ 60 ईआई आर-260 रेल्स विथ कम्पलीट एक्सेसरीज अंडर डीईएन/सेंट्रल/ झाँसी जूरिडिक्शन।	
अनुमानित लागत रू.: 21145059.48	**अमानत राशि : 422900.00**
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 24 माह	
निविदा बन्द होने की तिथि : 25/06/2026 at 15:00 hrs., • निविदा दिनांक 25/06/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1239/26 (ADM)**	

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. JHS-N-GSU-09-26 दिनांक- 28.05.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झाँसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-GSU-09-26	
कार्य का नामः ईआई ऑल्टरेशन एंड अदर एस एंड टी वर्क फॉर कंस्ट्रक्शन ऑफ़ आरओबीस इन ल्यू ऑफ़ लेवल क्रॉसिंग नम्बर 315 एट किमी.993/30-32, 335 एट किमी. 1058/30-32 एण्ड 357 एट किमी.1103/34-36 इन बिटवीन बीना-झाँसी सेक्शन ऑफ झाँसी डिविजन।	
कार्य लागत लगभगः ₹ 11998678.97	**धरोहर राशिः** ₹ 240000.00
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil	**निविदा खुलने की तिथिः 19.06.2026** Time **15.00**
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह	

• निविदा दिनांक **19.06.2026** को **15.00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in **(JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAL RLY)** पर देखें। **1238/26 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब का जनमत, राज्य में उभरी नई राजनीतिक दिशा

पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों पर स्पष्ट बढ़त बनाते हुए अपनी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराई है। नगर निगमों और वार्डों में मिली सफलता को पार्टी अपनी सरकार के कामकाज पर जनता की मुहर मान रही है। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में जो तस्वीर उभरी है, वह आम आदमी पार्टी (आप) की स्पष्ट कामयाबी को दर्शाती है। अगर इसे जनता के रुख के तौर पर देखा जाए, तो यह अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों का भी संकेत हो सकती है। हालांकि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और फिलहाल कोई बड़ा असंतोष वहां प्रत्यक्ष देखने में नहीं आ रहा है, इसलिए स्थानीय निकायों के नतीजों में अगर उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को बाकी दलों के मुकाबले काफी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।दरअसल, पंजाब के शहरी क्षेत्रों में आप ने अपनी व्यापक पहुंच और मजबूत जनाधार बनाया है। अब इन चुनावों में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया और आठ नगर निगमों में से पांच पर जीत हासिल की। कहा जा सकता है कि इन इलाकों में सरकार के कामकाज को ज्यादातर मतदाताओं ने अपना समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस और भाजपा को भी जितनी सीटें मिलीं, उससे फिलहाल उनकी राजनीतिक जमीन बची होने के संकेत मिलते हैं।गौरतलब है कि पंजाब में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 104 स्थानीय निकायों के 1,977 वार्डों के लिए हुए मतदान के नतीजों में आप के 958 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। वहीं 397 वार्डों पर जीत के साथ कांग्रेस की भी संतोषजनक उपस्थिति बनी रही। जबकि शिरोमणि अकाली दल ने 191 और भाजपा ने 172 वार्डों पर जीत हासिल की।जाहिर है, अपने प्रतिद्वंद्वी दलों के मुकाबले आप ने काफी बड़े अंतर से अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों से तुलना करें, तो तस्वीर में बड़ा फेरबदल हुआ है और आप ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी इसे राज्य में अपनी सरकार के कामकाज और विकास कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है।इसी के मद्देनजर पार्टी को लगता है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है। मगर यह देखने की बात होगी कि स्थानीय निकायों में उभरे नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर कितना पड़ता है। स्थानीय चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व से प्रभावित होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में मतदाता राज्य सरकार के समग्र प्रदर्शन, राजनीतिक गठबंधनों और व्यापक जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। इसलिए निकाय चुनावों के नतीजों को विधानसभा चुनाव का अंतिम संकेत मानना जल्दबाजी होगी।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है। मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना

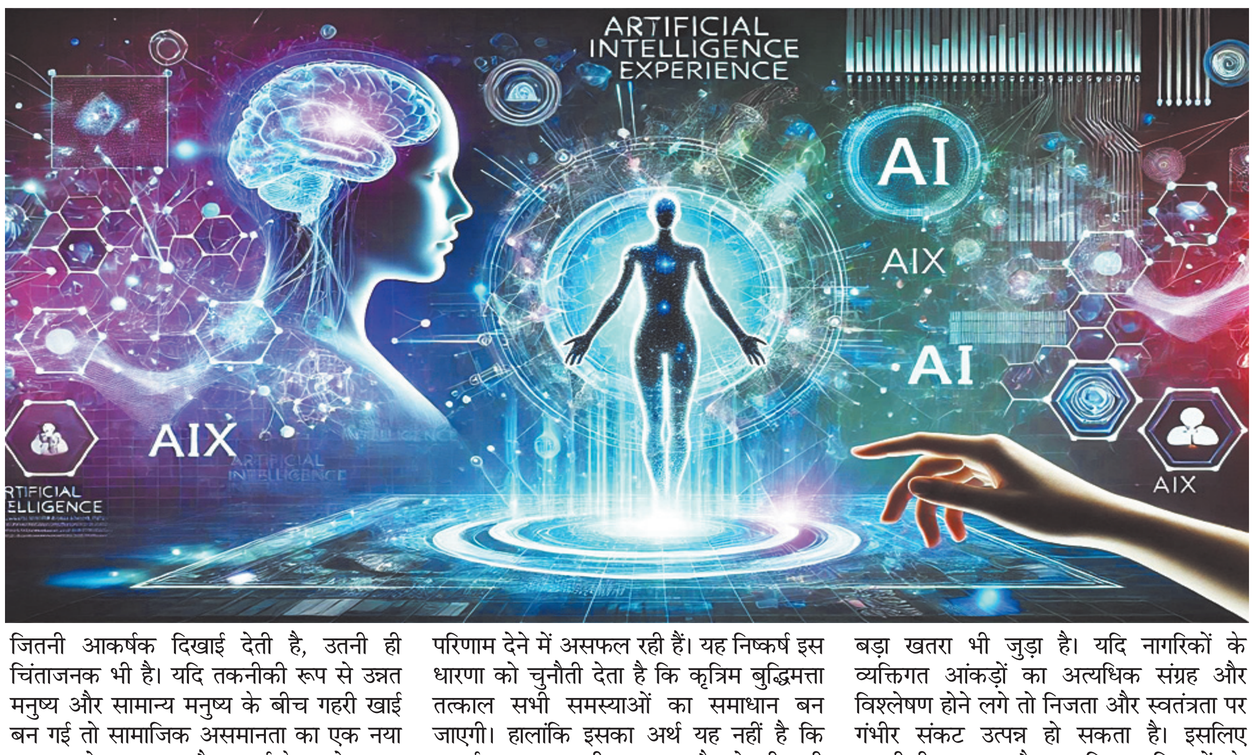

जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है।

एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

विश्व साइकिल दिवस, 3 जून 2026 पर विशेषः

-:ललित गर्ग:-

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' (Cycling for a Greener Future) अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है। पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा

भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिर्माताओं तक पर दिखाई देता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब, इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज़ के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है—क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है।

हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है—विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं।

एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं। विशाल होर्डिंग, लगातार विज्ञापन, सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए, न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण।

हिंदी माध्यम और अंग्रेज़ी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेज़ी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णतः सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है, जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालयी शिक्षा इतनी मजबूत हो कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी तैयारी वहीं से संभव हो सके, तो कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता स्वतः कम हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यालयी शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं, किंतु इन सुधारों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देने में समय लगेगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली में भी ऐसी पारदर्शिता और संतुलन होना चाहिए कि विद्यालयी अध्ययन और परीक्षा की अपेक्षाओं के बीच अनावश्यक अंतर न रहे।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि कोचिंग सफलता का एक साधन हो सकती है, लेकिन सफलता की एकमात्र शर्त नहीं। किसी भी संस्थान या शिक्षक के दावों को बिना जांचे-परखे स्वीकार करना उचित नहीं है। विज्ञापन और वास्तविक परिणामों के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि, क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, उनकी मेहनत का विकल्प नहीं बन सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ज्ञान प्राप्ति के उत्कृष्ट साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। लोकप्रियता और गुणवत्ता हमेशा एक ही चीज़ नहीं होतीं। किसी शिक्षक या संस्थान का चयन उसके प्रचार के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक उपयोगिता, विषय विशेषज्ञता और विद्यार्थियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के आधार पर होना चाहिए। अंततः प्रश्न किसी एक पत्रकार, एक यूट्यूबर शिक्षक या किसी विशेष संस्थान का नहीं है। वास्तविक मुद्दा शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण और उस मानसिकता का है जिसमें सफलता को एक उत्पाद की तरह बेचा जाने लगा है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को सोचने, समझने और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने का है।

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया 9 जून को पलवल दौरे पर

पलवल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया 9 जून को पलवल दौरे पर रहेंगी। चेयरपर्सन रेणु भाटिया प्रात:: 10 बजे लोकल कमेटी की चेयरपर्सन एवं सदस्यों की बैठक लेंगी, जिसमें महिला सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद प्रात:: 11:30 बजे वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पलवल में महिलाओं की शिकायतें और समस्याएं सुनेंगी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देंगी। हरियाणा महिला आयोग की पहल का उद्देश्य महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। यह जानकारी हरियाणा महिला आयोग के उप अधीक्षक ने दी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री गौरव गौतम आज रेवाड़ी में करेंगे योग प्रोटोकॉल अभ्यास

प्रात: 6:30 बजे राव तुलाराम स्टेडियम में होगा योगाभ्यास का आयोजन

रेवाड़ी। एसडीएम रेवाड़ी सुरेश कुमार ने बताया कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को सफल व गरीमामयी ढ़ंग से मनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि योग दिवस के सफल आयोजन के लिए जिला में विभिन्न योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अधिक संख्या में जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर लोगों को योग के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। एसडीएम सुरेश कुमार ने बताया कि इसी कड़ी में बुधवार 03 जून को रेवाड़ी में हरियाणा के खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री गौरव गौतम योग प्रोटोकॉल अभ्यास करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली रोड स्थित राव तुलाराम स्टेडियम में प्रात: 6:30 बजे किया जाएगा। इस अवसर रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, कोसली के विधायक अनिल कुमार यादव व बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार और भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

सीजेएम डॉ. रेनू सोलखे ने रेवाड़ी स्थित बाल गृह एवं दत्तक ग्रहण अभिकरण का निरीक्षण किया

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार, डॉ. रेनू सोलखे, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी–सह–सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रेवाड़ी ने मंगलवार को रेवाड़ी स्थित बाल देखरेख संस्थान एवं विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. रेनू सोलखे ने संस्थान में रह रहे बच्चों से संवाद किया तथा भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से संबंधित रजिस्टर, स्टाफ उपस्थिति एवं पुनर्वास संबंधी कार्यों के अभिलेखों की भी जांच की। डॉ. रेनू सोलखे ने स्टाफ को बच्चों के लिए बाल–मैत्रीपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उचित परामर्श प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की अनुपालना तथा दत्तक प्रकरणों में कानूनी औपचारिकताओं को समयबद्ध पूरा करने पर विशेष बल दिया।

ममता, सेवा और संस्कार की मिसाल बनीं प्रीति चौधरी

85 वर्षीय सास चंद्रो देवी को टब में बैठाकर पवित्र बृज 84 कोस परिक्रमा करा रही है प्रीति चौधरी

पलवल। आज के समय में जहां परिवारों में रिश्तों की मिठास और आपसी सम्मान धीरे–धीरे कम होता दिखाई देता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसी कलां की रहने वाली प्रीति चौधरी ने अपनी सेवा भावना और संस्कारों से समाज के सामने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रीति चौधरी अपनी 85 वर्षीय सास चंद्रो देवी को टब में बैठाकर पवित्र बृज 84 कोस परिक्रमा करा रही हैं। यह कार्य केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि बहू और सास के बीच प्रेम, सम्मान और समर्पण का जीवंत प्रतीक बन गया है। वृद्धावस्था के कारण चंद्रो देवी स्वयं परिक्रमा करने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन उनकी धार्मिक आस्था और इच्छा को पूरा करने के लिए उनकी बहू ने जो जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है।

कई किलोमीटर लंबी और कठिन मानी जाने वाली बृज 84 कोस परिक्रमा को इस प्रकार पूरा कराना आसान कार्य नहीं है। इसके लिए शारीरिक मेहनत, धैर्य और सबसे बढ़कर अपने बड़ों के प्रति अटूट सम्मान की आवश्यकता होती है। प्रीति चौधरी ने यह साबित कर दिया है कि यदि परिवार में प्रेम और संस्कार हों तो रिश्ते केवल नाम के नहीं, बल्कि दिल से निभाए जाते हैं। उनका यह कार्य समाज की उन महिलाओं और परिवारों के लिए भी एक सकारात्मक संदेश है जो अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं। प्रीति चौधरी ने अपनी सास को केवल सास नहीं, बल्कि अपनी मां का सम्मान दिया है। यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है, जहां बड़ों की सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। निस्संदेह, प्रीति चौधरी का यह समर्पण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों को रिश्तों की वास्तविक महत्ता समझाने वाला एक अनुकरणीय उदाहरण है।

गांव कनूका की नजूल भूमि को पट्टे पर छोड़ने के लिए बोली 12 जून को

रेवाड़ी। तहसील बावल के गांव कनूका की 14 कनाल 6 मरला नजूल/ सरकारी भूमि मुस्तील नंबर 26 किला नंबर 7/2(0–18), 14(7–11), 15/1(5–17) को वर्ष 2026–27 एक वर्ष के लिए पट्टे पर छोड़ने के लिए 12 जून 2026 को प्रात: 11:00 बजे मौके पर खुली बोली लगाई जाएगी। तहसीलदार बावल ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति बोली लगाने के लिए निर्धारित तिथि व स्थान पर पहुंचकर इस प्रक्रिया में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस पट्टे की बोली में अनुसूचित जाति के व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी।

शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है योग : विश्राम कुमार मीणा

21 जून को ब्रह्मसरोवर स्थित पुरुषोत्तमपुरा बाग में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

कुरुक्षेत्र, प्रमोद कौशिक/अमित : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवन शैली के बीच योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना अत्यंत आवश्यक है। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जून को ब्रह्मसरोवर स्थित पुरुषोत्तमपुरा बाग में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी है।

इस वर्ष की राष्ट्रीय थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग और राज्य स्तरीय थीम योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा निर्धारित की गई है।

उन्होंने कहा कि वन विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हरित योग के अंतर्गत औषधीय पौधा रोपण करवाया जाएगा।

इसमें आंवला, हरड़, नीम, पीपल, अश्वगंधा, तुलसी, गिलोय, अर्जुन एवं जामुन को शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में वृद्धों एवं दिव्यांगों की उपस्थिति के लिए कार्यक्रम स्थल तक उनके आने-जाने और बैठने की उचित व्यवस्था की जाए और 21 जून तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों की गतिविधि चलाकर रखें, उसके लिए सभी योग संस्थाओं का सहयोग लिया जाए एवं आयुष योग सहायकों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को मुख्य कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का उद्बोधन के प्रसारण की व्यवस्था रखी जाए।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष के योग दिवस के कार्यक्रम इस प्रकार आयोजित किये जाएं कि यह एक जन-आंदोलन बन सके।

योग दिवस के कार्यक्रम जन भागीदारी और जन-आंदोलन के कार्यक्रम होंगे, जिसका लक्ष्य योगमय हरियाणा को प्राप्त करना होगा, जिसमें सभी विभाग टीम वर्क के रूप में काम करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योगशाला में गेट, बाउंड्री, साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं के साथ योग के लिए तैयार किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर के सभी कार्यक्रमों में 5 मिनट का म्यूजिकल डेमोंस्ट्रेशन करवाया जाए।

नशे के विरुद्ध कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार IPS के दिशानिर्देशों एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा IPS जी के मार्गदर्शन में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 3 में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम डीएवी स्कूल में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत किया गया। उच्चाधिकारियों के आदेश से ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा विद्यालय में पहुंचे। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी डॉ. मिनाक्षी ने ब्यूरो के अधिकारियों का स्वागत किया और मंच संचालन किया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के कारण परिवार, समाज और राष्ट्र पर प्रभाव के साथ साथ नैतिक, सामाजिक और आर्थिक पतन बारे विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि प्रतिबंधित नशे मनुष्य के जीवन को भीतर तक निष्क्रिय कर रहे हैं। नशा मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। नशा मनुष्य के जीवन में शौक बनकर आता है और उसके जीवन का अंत शोक में परिवर्तित हो जाता है। उन्होंने बताया कि यदि नशा अच्छा होता तो सबसे पहले माँ अपने बच्चे को नशा करने के लिए देती। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी या बिक्री से संबंधित कोई भी सूचना मिलने पर हृष्क्र नेशनल हेल्पलाइन 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल NCBMANAS.GOV.IN या हरियाणा एनसीबी हेल्पलाइन 90508-91508 टोल-फ्री नंबरों पर दें।

पांडुलिपियों में छिपा इतिहास अब लेगा डिजिटल रूप, संस्कृति मंत्रालय ने शुरू किया 'ज्ञान भारतम्' मिशन

- ज्ञान भारतम् मिशन से जुडक़र जिले की प्राचीन विरासत के संरक्षण में दें योगदान
- 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत दुर्लभ पांडुलिपियों का डेटाबेस किया जा रहा है तैयार

पलवल। अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने बताया कि भारत सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख पहल के रूप में 'ज्ञान भारतम्' मिशन शुरू किया है। उन्होंने बताया कि 'ज्ञान भारतम्' मिशन के तहत भारत की समृद्ध परम्परा, सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में प्राचीन पाण्डुलिपियां, ताड़पत्र एवं दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण एवं भावी पीढियों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कर देश में मौजूद दुर्लभ पांडुलिपियों का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि प्राचीन हस्तलिखित धरोहर यानी पांडुलिपि। इनके माध्यम से हमें अपनी संस्कृति के बारे में पता चलता है और इतिहास से जुड़ी तमाम जानकारी मिलती है। एक तरह से यह हमारी सभ्यता का अहम हिस्सा है। इस मिशन का उद्देश्य भारत भर में शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों तथा निजी संग्रहों में उपलब्ध पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, प्रलेखन, संरक्षण, डिजिटलीकरण कर उन्हें सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि इन पांडुलिपियों को समय के प्रभाव से बचाने के लिए उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी के पास घर में 75 वर्ष या इससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों का संग्रह है तो वो भी उन्हें साझा कर सकते हैं। 'ज्ञान भारतम् मिशन' से जुडक़र जिले की प्राचीन विरासत के संरक्षण में योगदान दें। यदि आपके पास 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ या कोई अन्य अमूल्य प्राचीन विरासत सुरक्षित है, तो उसकी जानकारी साझा कर 'ज्ञान भारतम् मिशन' से जुड़ें। अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में जहां भी वर्षों पुरानी पांडुलिपियां सुरक्षित हैं, जिनमें धार्मिक ग्रंथ, ऐतिहासिक दस्तावेज और पारंपरिक ज्ञान का अनमोल भंडार मौजूद है, कि पहचान की जाए ताकि उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। उन्होंने 'ज्ञान भारतम मिशन' का व्यापर स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए ताकि इस मिशन में सभी की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। आमजन गूगल प्ले स्टोर पर 'ज्ञान भारतम्' सर्च करके ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

15 जून तक जारी है सर्वेक्षण का कार्य : अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने कहा कि 'ज्ञान भारतम्' अभियान के तहत लगभग 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता दी जाएगी। पांडुलिपि सर्वेक्षण का कार्य 15 जून तक जारी रहेगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से डिजिटलीकरण और संरक्षण कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

सुमन वशिष्ठ ने ग्रहण किया एसवीएसयू की कुलसचिव का कार्यभार

पलवल, प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी : सुमन वशिष्ठ को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के आदेश हरियाणा के राज्यपाल एवं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर असीम कुमार घोष द्वारा जारी किए गए हैं। इससे पूर्व सुमन वशिष्ठ गुरुग्राम विश्वविद्यालय में उप कुलसचिव के रूप में कार्यरत थीं। मंगलवार को उन्होंने कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव के रूप में कार्यभार संभाला। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने उन्हें नए दायित्व के लिए बधाई दी और प्रशासनिक दक्षता से विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। सुमन वशिष्ठ ने इस दायित्व के लिए राज्यपाल एवं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम तथा कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यभार ग्रहण करते हुए सुमन वशिष्ठ ने कहा कि मुझे देश के प्रथम राजकीय कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव बनने पर गर्व एवं हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह विश्वविद्यालय देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की कल्पनाओं का साकार रूप है। इस विश्वविद्यालय को शिक्षा के वैश्विक मानचित्र पर चमकाना मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। नवनियुक्त कुलसचिव सुमन वशिष्ठ ने कहा कि प्रशासनिक उत्कृष्टता से विश्वविद्यालय को उन्नति के मार्ग पर ले जाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार के नेतृत्व में हम सभी मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करेंगे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कौशल में और अधिक वृद्धि कर बेहतर परिणाम की ओर ले जाना हमारा साझा लक्ष्य होगा। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने सभी अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और शिक्षकों का नवनियुक्त कुलसचिव से परिचय करवाया। सभी ने कुलसचिव के रूप में कार्यभार संभालने पर सुमन वशिष्ठ को बधाई दी। सुमन वशिष्ठ का कॉर्पोरेट तथा सरकारी विश्वविद्यालयों में 26 वर्षों का लम्बा अनुभव है। वह कार्यवाहक कुलसचिव, ओएसडी और इंडस्ट्रियल रिलेशन्स एन्ड कॉर्पोरेट अफेयर्स की निदेशक सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर दायित्व का निर्वहन कर चुकी हैं।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण करती सुमन वशिष्ठ।

'स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु' अभियान के तहत सीईओ जितेंद्र कुमार ने ली बैठक

ग्राम पंचायतों में 6 जून तक जारी रहेगा 'स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु' अभियान

पलवल। 'स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु' अभियान के तहत जिला पलवल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जितेंद्र कुमार ने बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला में उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन और निर्देशन में जिला की 263 ग्राम पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है।

यह अभियान 6 जून तक जारी रहेगा। सीईओ ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत गांव में ठोस कचरा प्रबंधन कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसके लिए ग्रामीणों को गीले कूड़े व सूखे कूड़े का किस तरह से निस्तारण किया जा सकता है इसके बारे जागरूक किया जाएगा उन्होंने जिला व खंड स्तर के अधिकारियों को निर्देश जारी किए ग्रामीण क्षेत्रों स्वच्छ गांव होने पर सुरक्षित जलवायु रहेगी।

प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बहुत ही हानिकारक होती है इसका उपयोग न करें। उन्होंने बताया इस अभियान के तहत 4 जून पौधा रोपण व स्वच्छता अभियान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

5 जून को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 के बारे जागरूक किया जाएगा।

सीईओ ने बताया कि ग्राम पंचायतों में घर घर से कूड़ा उठाना तथा कूड़े का एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 के अनुसार निस्तारण करने हेतु निर्णय लिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में अगर कोई संस्थान अत्यधिक मात्रा में कूड़ा निकलता है तो उसे नोटिस जारी किए जाएं। एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 के तहत संस्थाओं को अपने कूड़े का निस्तारण अपने स्तर पर ही करना होगा।

यदि कोई संस्थान इनका उल्लंघन करती है तो एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 के तहत कानून कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक : एसडीएम

- मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 को लेकर ईआरओ, एईआरओ व एएईआरओ दिया गया प्रशिक्षण
- एसआईआर बारे मतदाताओं को किया जाए ज्यादा से ज्यादा जागरूक

पलवल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय पलवल द्वारा मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार एसडीएम पलवल भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मास्टर ट्रेनर रविंद्र दीक्षित, मान सिंह व जगबीर सिंह द्वारा एसआईआर से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के सभी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथा अतिरिक्त सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (एएईआरओ) ने भाग लिया।

एसडीएम भूपेंद्र सिंह ने कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों से आयोग के दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पात्र मतदाताओं को जागरूक करने, दावों एवं आपत्तियों के समयबद्ध निस्तारण तथा बूथ स्तर पर समन्वय बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जिला में एसआईआर प्रक्रिया को पूर्ण करवाएं।

आज से बीएलओ को किया जाएगा प्रशिक्षित : एसडीएम ने बताया कि पलवल के बीएलओ को 3 जून को पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल में, होडल के बीएलओ को 5 जून को जीएमएसएसएसएस होडल में तथा हथीन के बीएलओ को 8 जून को राजकीय महाविद्यालय हथीन में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची के अद्यतन, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने संबंधी दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नवीन प्रावधानों और ऑनलाइन प्रक्रियाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।

भीषण गर्मी-लू से बचने के लिए जरूरी सलाह

- पेयजल का अधिक मात्रा में करें प्रयोग, दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से न निकले बाहर
- डीसी अभिषेक मीणा ने बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने का किया आह्वान

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने आमजन से आह्वान किया कि गर्मियों के मौसम में तापमान में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्रचंड गर्मी और लू के चलते लोगों को डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, चक्कर आना, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आमजन अत्याधिक सावधानी बरतें और सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी और दिशा-निर्देशों की पालना करें। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि गर्मी में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि ये वर्ग गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को धूप में खेलने से रोकें और उन्हें पर्याप्त पानी पिलाते रहें। इसी प्रकार, बुजुर्गों को ठंडे और हवादार स्थान पर रखें तथा समय-समय पर उनकी सेहत की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि नागरिक दोपहर के समय, विशेषकर दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच, अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। इस समय सूर्य की किरणें सबसे अधिक तीव्र होती हैं, जिससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। यदि किसी कारणवश बाहर जाना आवश्यक हो, तो सिर को ढक कर अवश्य रखें।

इसके लिए टोपी, गमछा या छाते का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें, जिससे शरीर को ठंडक मिल सके। डीसी ने बताया कि गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना अत्यंत आवश्यक है। दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। इसके अलावा, नींबू पानी, छाछ, लस्सी, नारियल पानी और फलों का रस जैसे तरल पदार्थों का सेवन लाभकारी होता है। अधिक तैलीय, मसालेदार और बासी भोजन से बचना चाहिए, क्योंकि ये शरीर में गर्मी बढ़ाते हैं और पाचन संबंधी समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बाहर कार्य करने वाले मजदूरों और श्रमिकों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है। उनके लिए कार्यस्थल पर छाया, ठंडे पानी और आराम के लिए पर्याप्त समय की व्यवस्था की जानी चाहिए। नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रमिकों को अत्यधिक गर्मी में लगातार काम न करना पड़े। डीसी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति में हीट स्ट्रोक के लक्षण जैसे तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द, चक्कर आना या बेहोशी दिखाई दें, तो उसे तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

हरियाणा में निवेश और औद्योगिक क्रांति को नई रफ्तार देगी मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2026 : विनोद बापना

गुरुग्राम: हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में घोषित की गई मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2026 और अन्य सेक्टोरल नीतियों का औद्योगिक जगत ने पुरजोर स्वागत किया है। गुरुग्राम के ग्रैंड हयात में आयोजित समारोह के बाद फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री हरियाणा के चेयरमैन एवं कैपारो मारुति के सीईओ विनोद बापना ने नई नीति की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया है।

लघु उद्योग भारती और एफआईआई सहित प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक संगठनों ने इस दूरदर्शी नीति के लिए हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह का हार्दिक आभार व अभिनंदन व्यक्त किया है। नीति के शुभारंभ के साथ ही कार्यक्रम के दौरान लगभग 1.10 लाख करोड़ के प्रस्तावित निवेश से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस ऐतिहासिक निवेश पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए विनोद बापना ने कहा कि एक ही मंच पर 1.10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों का आना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि देश-विदेश के निवेशकों का हरियाणा की प्रशासनिक व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और नीतियों पर अटूट विश्वास है।

मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2026 न केवल बड़े उद्योगों बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए भी संजीवनी का काम करेगी। यह नीति विनिर्माण को बढ़ावा देने, व्यापार को सुगम बनाने और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने में मील का पत्थर साबित होगी। विनोद बापना ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, एचएसआईआईडीसी और हरियाणा एंटरप्राइज प्रमोशन सेंटर के अधिकारियों व कर्मयोगियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस उद्योग-हितैषी नीति का खाका तैयार किया है। एफआईआई के फाउंडर व प्रेजिडेंट दीपक जैन ने सामूहिक रूप से यह विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह के दूरदर्शी मार्गदर्शन में हरियाणा आने वाले समय में देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत व सुदृढ़ करेगा। नई नीति से न केवल ऑटोमोबाइल और पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी, बल्कि नए सेक्टोरल विजन से भविष्य की तकनीकों के लिए भी रास्ते खुलेंगे।

गुरुग्राम में आयोजित इस उच्च स्तरीय नीति शुभारंभ समारोह में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही औद्योगिक जगत की तमाम बड़ी हस्तियों ने भी शिरकत की।

भाजपा की नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता बुधवार को विधिवत प्रदेश कार्यालय में पदभार ग्रहण करेंगी

भव्य पदभार ग्रहण समारोह में पूरे प्रदेश से पहुंचेंगे कार्यकर्ता

पंचकूला, भेदी नजर। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता बुधवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में विधिवत पदभार ग्रहण करेंगी। पदभार ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे होगा। कार्यक्रम को लेकर पार्टी संगठन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस समारोह में पूरे प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं पहुंचेंगे और अपनी नई अध्यक्ष को शुभकामनाएं एवं बधाई देंगे। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी के अनुसार कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि समारोह को ऐतिहासिक बनाया जाएगा।

अरविंद सैनी ने बताया कि समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, सह प्रदेश प्रभारी सुरेंद्र नागर, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ एवं राज्य के तमाम मंत्री, सांसद, विधायक तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा कि नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के दायित्व ग्रहण समारोह को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक जिलों से अनेक कार्यकर्ता पंचकूला स्थित प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आयोजित इस भव्य समारोह में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही पंचकूला पहुंच गए। अरविंद सैनी ने बताया कि यह कार्यक्रम भाजपा संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें प्रदेश भर से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

मंगलवार को नवनियुक्त अध्यक्ष अर्चना गुप्ता को बधाई देने के लिए उनके पानीपत स्थिति निवास पर भी कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा।

15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का करेंगे सत्यापन

करनाल, भेदी नजर। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी विधानसभा क्षेत्र घरौंडा एवं एसडीएम राजेश सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में ईआरओ एवं एसडीएम राजेश सोनी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को सफल बनाने के लिए सभी राजनीतिक दल अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें, ताकि मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटि रहित बनाया जा सके। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में जिस बूथ पर अभी तक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) नियुक्त नहीं किए गए हैं, वहां शीघ्र नियुक्ति कर उसकी एक प्रति ईआरओ एवं निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की नियुक्ति की जा चुकी है, जो 15 जून से 14 जुलाई तक घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की क्वालिफाइंग तिथि 1 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के अनुसार 5 जून से 14 जून तक बीएलओ का प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण किया जाएगा। 21 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा तथा 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 सितंबर 2026 को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन घर- घर सत्यापन के दौरान बीएलओ एवं चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 पर सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी ने बताया के निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार केंद्र एवं राज्य सरकार/पीएसयू कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के पहचान पत्र एवं पीपीओ नंबर मान्य होंगे। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र इत्यादि भी मान्य दस्तावेजों में शामिल हैं।

पलवल पुलिस की बड़ी कार्रवाई; हथीन क्राइम ब्रांच (AVT स्टाफ) ने चोरी की ईको कार सहित शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

पलवल भेदी नज़र अरविन्द बक्शी पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक पलवल नीतीश अग्रवाल, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस पलवल द्वारा अपराधियों और वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए, हथीन क्राइम ब्रांच (AVT स्टाफ) टीम ने एक शातिर वाहन चोर को चोरी की मारुति ईको कार सहित गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महबूब पुत्र नूरदीन, निवासी गांव मौहदमका, थाना हथीन, जिला पलवल के रूप में हुई है।

हथीन क्राइम ब्रांच (AVT स्टाफ) प्रभारी P/SI दीपक गुलिया ने बताया कि दिनांक 2 जून को AVT स्टाफ हथीन के सब-इंस्पेक्टर हक्मुद्दीन के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराध रोकथाम व गश्त के संबंध में क्राईम जयन्ती मोड हथीन पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी महबूब, जो चोरी की गाड़ियां बेचने व चलाने का काम करता है, एक सफेद रंग की चोरी की मारुति ईको कार लेकर मानपुर रोड मौहदमका चौक पर किसी ग्राहक या साथी का इंतजार कर रहा है।

सूचना को पुख्ता मानकर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी। पुलिस की सरकारी गाड़ी को आते देख आरोपी कार छोड़कर भागने लगा, जिसे मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मौके पर ही धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी से जब गाड़ी के कागजात मांगे गए, तो वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। गाड़ी पर आगे-पीछे कोई नंबर प्लेट भी नहीं थी। इसके बाद पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से वाहन के चेचिस नंबर और इंजन नंबर की जांच की, तो पता चला कि उक्त ईको कार का असली नंबर HR-51BE-9691 है, जो कि दिनांक 27/04/2026 को थाना सेक्टर 65, गुरुग्राम से चोरी हुई थी (मुकदमा नंबर 200)2026, धारा 305 BNS)।

प्रभारी क्राइम ब्रांच ने बताया कि बरामद गाड़ी को कब्जा में लेकर आरोपी महबूब के खिलाफ थाना हथीन में मुकदमा नंबर 170, दिनांक 02/06/2026, धारा 317(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

रेवाड़ी में पुलिसकर्मी की मौत मामले में सनसनीखेज खुलासा, नुकीले हथियार से मारा गया, 4 लोगों पर केस दर्ज

रेवाड़ी, एजेंसी। हरियाणा के रेवाड़ी में 10 मई की रात गंभीरावस्था में निजी अस्पताल में दाखिल कराए गए हरियाणा पुलिस के एएसआई की मौत सड़क हादसा नहीं थी, बल्कि नुकीली वस्तु से उस पर हमला किया गया था. मृतक के परिजन शुरू से ही हत्या के आरोप लगा रहे थे, परंतु पुलिस इसे सड़क हादसा मानकर अनसुना कर रही थी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नुकीली वस्तु से 15 वार किए जाने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने मौसेरे भाई सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है. पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक के मौसेरे भाई के बेटे को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है. एक्सीडेंट की हालत में मिली थी कार : एएसआई कृष्ण कुमार को गंभीरावस्था में एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया गया था. उनकी कार रणबीर सिंह हुड्डा चौक से कुछ दूरी पर एक्सीडेंट की हालत में मिली थी. 11 मई को इलाज के दौरान कृष्ण कुमार की मौत हो गई थी. पुलिस ने इसे सड़क हादसा मानते हुए सामान्य कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया था. बाद में राजकीय सम्मान के साथ मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया था. मृतक के परिजन शुरू से ही आरोप लगा रहे थे कि एक महिला और उसके परिजनों ने मिलकर उसकी हत्या की है, लेकिन पुलिस उनकी एक नहीं सुन रही थी. पुलिस ने सड़क हादसा मानकर शव का पोस्टमार्टम कराया था. अस्पताल से मिली मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतक के शरीर पर नुकीली वस्तु से 15 बार वार किए जाने की बात सामने आई है. इसके बाद हरकत में आई जाटूसाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए नैनसुखपुरा निवासी जतिन कुमार को गिरफ्तार किया है.

न्याय का अधिकार हर नागरिक तक पहुंचाना हमारा संकल्प: वाणी गोपाल शर्मा

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) द्वारा जिला न्यायालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मंगलवार को मेगा लीगल सर्विसेज कैंप का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने की। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक या अन्य किसी कारण से न्याय से वंचित न रहे, यही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है। इस तरह के मेगा लीगल सर्विसेज कैंप इसी सोच का परिणाम हैं, जहां लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाए बिना एक ही स्थान पर कानूनी सहायता और सरकारी सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि एक जागरूक नागरिक ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। इसलिए कानूनी जागरूकता अभियान और जनहित कार्यक्रम समाज को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चेयरपर्सन वाणी गोपाल शर्मा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से विभागीय योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल आमजन के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जहां सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं डीएलएसए चेयरपर्सन ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण बटोरा। नाटक के माध्यम से 'बेटा-बेटी एक समान' का सशक्त संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। इस मौके पर संदीप सिंह (अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश), हिमांशु (एडीजे), मिस यासमीन (अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी), डीईओ राकेश बूरा सहित अनेक न्यायिक अधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मेगा लीगल सर्विसेज कैंप ने न केवल लोगों को कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की, बल्कि सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति और जनसेवा के संदेशों को भी प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। इस मौके पर संदीप सिंह, माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) हिमांशु शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)सुश्री याचना, माननीय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी), सीजे (सीनियर डिवीजन) सीजेएम वर्षा शर्मा, डीईओ राकेश बूरा के अलावा विभिन्न विभागों से अधिकारी मौजूद रहे।

होटल के कमरे में जुआ खेल रहे 4 युवक गिरफ्तार, दाव पर लगी 36 हजार 600 रूपए की नकदी बरामद

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। थाना चांदनी बाग पुलिस ने सनौली रोड स्थित नीलकंठ गेस्ट हाउस के कमरे में जूआ खेल रहे 4 युवकों को काबू किया। आरोपियों के कब्जे से जुआ खेलने में प्रयुक्त ताश के पत्ते व दाव पर लगी 36 हजार 600 रूपए की नकदी बरामद हुई है। आरोपियों की पहचान घूप सिंह नगर निवासी राकेश कुमार, अशोक विहार कॉलोनी निवासी सोनू, बबैल रोड निवासी नवजीश और देशराज कॉलोनी निवासी जोगराज के रूप में हुई है। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा जूआ, सट्टा खाइवाली सहित अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। थाना चांदनी बाग पुलिस टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली की सनौली रोड स्थित नीलकंठ गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 7 में कुछ लोग जुआ खेल रहे है। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर पुलिस टीम ने गेस्ट हाउस में दबिश दी। कमरे के बाहर खड़े होकर अंदर की आवाज सुनी। एक युवक बोल रहा था उसकी 100 रूपए की चाल, दूसरे की आवाज सुनाई दी उसकी 200 रूपए की चाल और तीसरे की आवाज सुनाई दी उसकी 300 रूपए की चाल। कमरा खोलकर देखा 4 युवक ताश के पत्तों पर पैसे दाव पर लगाकर जुआ खेलते हुए मिले। पुलिस टीम ने जुआ खेल रहे चारों युवकों को काबू किया। मौके पर आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी ताश के पत्ते व दाव पर लगी 36 हजार 600 रूपए कर नकदी बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान राकेश निवासी घूप सिंह नगर, सोनू निवासी अशोक विहार कॉलोनी, नवजीश निवासी बबैल रोड व जोगराज निवासी देशराज कॉलोनी के रूप में बताई। आरोपियों के खिलाफ थाना चांदनी बाग में गेम्बलिग एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई।

जिला परिवेदना समिति की बैठक गुरुवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में- डीसी

हरियाणा के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे अध्यक्षता

रेवाड़ी। जिला के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक गुरुवार, 4 जून को प्रातः 11 बजे लोक निर्माण विश्राम गृह में होगी। जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे।

डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 परिवादों की सुनवाई की जाएगी। जिनमें 6 नए व 6 लंबित परिवाद शामिल हैं। हरियाणा के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा इन सभी परिवादों तथा मौके पर आम नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे। इस अवसर पर जिला के विधायक, विभाग अध्यक्ष, पंचायत व निकाय समितियों के चेयरमैन तथा जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

डीएलएसए रेवाड़ी की पहल : जिले में स्थापित होंगे प्रदूषण शिकायत सहायता केंद्र

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार तथा डॉ. रेणु सोल्खे, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रेवाड़ी के मार्गदर्शन में 'प्लास्टिक मुक्त हरियाणा - आज हरित, कल सुरक्षित' अभियान के अंतर्गत जिला रेवाड़ी में प्रदूषण शिकायत सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यह अभियान प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। डॉ. रेणु सोल्खे ने बताया कि इन सहायता केंद्रों के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानूनों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानूनी अधिकारों एवं उपायों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन सहायता केंद्रों पर पर्यावरण संबंधी शिकायतों को दर्ज करने, कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी देने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) हेल्पलाइन नंबर 15100 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यह सहायता केंद्र 04 जून 2026 को मिनी सचिवालय परिसर, रेवाड़ी, 05 जून 2026 को अनाज मंडी व नागरिक अस्पताल, रेवाड़ी तथा 06 जून 2026 को बस अड्डा एवं रेलवे स्टेशन, रेवाड़ी में स्थापित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रेवाड़ी के पैनल अधिवक्ता एवं पैरा लीगल वालंटियर्स आमजन को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी नागरिक को यदि प्रदूषण, प्लास्टिक उपयोग, जल प्रदूषण, कूड़ा-करकट निस्तारण अथवा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कोई शिकायत या समस्या है, तो वह इन सहायता केंद्रों पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है तथा निःशुल्क कानूनी परामर्श एवं सहायता प्राप्त कर सकता है।डॉ. रेणु सोल्खे ने आमजन से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा 'प्लास्टिक मुक्त हरियाणा' अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

करनाल में सड़क किनारे मिला शव, मृतक 5 बच्चों का पिता, शरीर पर गहरे जख्म देख परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

करनाल, एजेंसी। करनाल में डेरा कार सेवा के पास एक 45 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है. मृतक के शरीर पर चोटों के कई गहरे निशान मिले हैं, जिसके बाद परिजन इसे सीधा हत्या का मामला बता रहे हैं. वहीं, पुलिस शुरुआती तौर पर सड़क हादसे की संभावना से भी इनकार नहीं कर रही. घटनास्थल पर पसरा सन्नाटाः आज सुबह जब लोगों की नजर डेरा कार सेवा के पास पड़े एक व्यक्ति पर पड़ी तो हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. मृतक की पहचान 45 वर्षीय मनहरण के रूप में हुई, जो पिछले करीब 35 वर्षों से करनाल में रह रहा था और कबाड़ का काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था. चोटों के निशान देख भड़के परिजन : शव पर मिले चोटों के निशानों ने मामले को और भी संदिग्ध बना दिया है. परिजनों का आरोप है कि मनहरण की कहीं और हत्या की गई और बाद में शव को इस स्थान पर लाकर छोड़ दिया गया ताकि मामले को दुर्घटना का रूप दिया जा सके. परिजनों का कहना है कि शरीर की हालत कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है, जिनका जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा. फोरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य : मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को भी मौके पर बुलाया गया. टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए. पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी. पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया : दरअसल, मनहरण मूल रूप से छत्तीसगढ़ का रहने वाला था, लेकिन पिछले कई दशकों से करनाल को ही अपना घर बना चुका था. पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है. अब पांच बच्चों के पिता की अचानक हुई मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है. घर में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जांच में जुटी पुलिसः पुलिस जांच अधिकारी दीपक ने मामले कहा कि, 'शुरुआती जांच में मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है, लेकिन शरीर पर मिले चोटों के निशान कई अन्य संभावनाओं की ओर भी इशारा कर रहे हैं. शव को पोस्टमार्टम के लिए कल्पना चावला मेडिकल अस्पताल भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह हादसा था या हत्या. '

पलवल पुलिस का बड़ा एक्शन; 4 दिन के अंदर बैक टू बैक तीसरा एनकाउंटर किया

पलवल, एजेंसी। पलवल सीआईए टीम को अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीते दिनों 11 मार्च को दिल्ली-बड़ौदरा एक्सप्रेस-वे पर एक व्यापारी से हुई 30 किलो चादी और 8 लाख रुपये लूट मामले के मुख्य आरोपी मुस्तकीम को टीम ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पलवल ष्ठस्क्क क्राइम अनिल कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि सीआईए प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार को इस बाबत गुप्त सूचना मिली थी। उसके बाद रात की ही पृथला-दूधौला रोड पर गश्त व अपराध रोकथाम हेतु उनकी टीम मौजूद थी। लूट कांड का वांछित आरोपी मुस्तकीम निवासी कोसीकला, यूपी का रहने वाला अवैध हथियार के साथ पृथला-छपरौला रोड पर स्थित बनी की झाड़ियों के पास किसी साथी के इंतजार में खड़ा था और किसी अन्य संगीन वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। सीआईए टीम द्वार तुरंत एक रेडिंग पार्टी तैयार कर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां खड़े आरोपी ने सरकारी गाड़ी को पहचान लिया और बनी की झाड़ियों की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने जब उसे घेरकर काबू करना चाहा, तो आरोपी मुस्तकीम ने अपना अवैध देशी कट्टा निकालकर सीधे ,स्ढ्ढ लक्ष्मन सिंह पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया।,स्ढ्ढ लक्ष्मन सिंह ने तुरंत नीचे बैठकर अपनी जान बचाई, गोली उनके बाएं कान के पास से गुजर गई। पुलिस टीम द्वारा बार-बार आत्मसमर्पण की चेतावनी देने के बावजूद आरोपी ने हथियार लोड करके पुलिस पार्टी पर दोबारा फायरिंग की।

30 साल का इंतजार खत्म, पीजीआई चंडीगढ़ के 659 तकनीकी कर्मचारियों को मिला पदोन्नति का लाभ

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ में तीन दशक से लंबित तकनीकी कैडर पुनर्गठन का मामला आखिरकार सुलझ गया है. संस्थान प्रशासन ने प्रयोगशाला, एक्स-रे और रेडियोथेरेपी तकनीकी कर्मचारियों से जुड़े पुनर्गठन को लागू कर सैकड़ों कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है. इस फैसले को संस्थान के प्रशासनिक इतिहास की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में माना जा रहा है. तीन दशक पुरानी मांग हुई पूरीः तकनीकी कर्मचारियों की यह मांग पिछले करीब 30 वर्षों से लंबित थी. कर्मचारियों के सेवा हितों और पदोन्नति से जुड़े मामलों के समाधान के लिए संस्थान प्रशासन ने व्यापक स्तर पर समीक्षा प्रक्रिया शुरू की. लंबे समय से अटके मामलों के निपटारे से कर्मचारियों में खुशी का माहौल है. पुराने रिकॉर्ड खंगालकर पूरी की प्रक्रियाः पीजीआई प्रशासन के अनुसार कैडर पुनर्गठन को लागू करने के लिए वर्षों पुराने रिकॉर्ड, वरिष्ठता सूचियां, सेवा विवरण और पदोन्नति संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की गई. इस जटिल प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विशेष प्रयास किए गए ताकि किसी भी कर्मचारी के साथ अन्याय न हो. विशेष सेल ने संभाली जिम्मेदारीः संस्थान के निदेशक प्रोफेसर विवेक लाल के निर्देश पर एक विशेष सेल का गठन किया गया था. इस टीम ने वर्ष 1992 से 2024 तक के रिकॉर्ड का अध्ययन करते हुए तकनीकी कर्मचारियों के पदोन्नति मामलों की समीक्षा की. जांच और सत्यापन के बाद करीब 659 कर्मचारियों से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया तथा लगभग 1120 पदोन्नतियों की प्रक्रिया पूरी की गई. प्रयोगशाला, एक्स-रे और रेडियोथेरेपी स्टाफ को लाभः सबसे अधिक लाभ प्रयोगशाला तकनीकी कैडर के कर्मचारियों को मिला, जहां बड़ी संख्या में लंबित पदोन्नति मामलों का समाधान हुआ. इसके अलावा एक्स-रे और रेडियोथेरेपी विभागों के तकनीकी कर्मचारियों को भी पुनर्गठन प्रक्रिया का फायदा मिला.

'कर्मचारियों के सम्मान और न्याय से जुड़ा फैसला ': पीजीआई निदेशक प्रोफेसर विवेक लाल ने कहा कि, 'यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि कर्मचारियों के सम्मान, पहचान और पेशेवर विकास से जुड़ा मुद्दा है ।

सीमांचल के इलाकों में वज्रपात से होने वाली मौत में आएगी कमी

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया के मौसम विभाग में डोप्लर वेदर रडार लगाने का काम तेजी से चल रहा है। इस रडार की मदद से पूर्णिया, सीमांचल के साथ-साथ 100 किलोमीटर तक के क्षेत्र में दो से तीन घंटे पहले मौसम का पूर्वानुमान मिल सकेगा। इससे वज्रपात से होने वाली मौतों और किसानों की फसलों के नुकसान को रोका जा सकेगा। मौसम विभाग के स्टेशन इंचार्ज बीरेंद्र कुमार ने बताया कि नया रडार पूर्णिया एवं आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश की जानकारी ब्लॉक और पंचायत स्तर तक देगा। लोग समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकेंगे। खेत में कटी हुई फसलों को भी अचानक बारिश से बचाया जा सकेगा। स्टेशन इंचार्ज ने बताया कि क्षेत्र में अक्सर वज्रपात की घटनाएं देखी जाती हैं, जिनमें कई लोगों की जान चली जाती है। साथ ही कटे अनाज को खेत में रखने के बाद अचानक हुई बारिश से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। नए रडार से इन समस्याओं में काफी कमी आने की उम्मीद है।

मलमास मेला ड्यूटी पर प्रशासन सख्त, बिहारशरीफ से राजगीर के लिए शुरू हुई विशेष बस सेवा

नालंदा, एजेंसी। राजगीर मलमास मेला 2026 में प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष बस सेवा शुरू कर दी है। अब प्रतिदिन सुबह 5 बजे समाहरणालय परिसर, बिहारशरीफ से राजगीर मेला क्षेत्र के लिए बस रवाना होगी। प्रशासन का उद्देश्य कर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना और मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखना है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग ने यह विशेष व्यवस्था लागू की है। अधिकारियों का मानना है कि नियमित परिवहन सुविधा मिलने से ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को समय पर मेला क्षेत्र पहुंचने में सहूलियत होगी। हाल ही में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी अपने निर्धारित काउंटरों से अनुपस्थित पाए गए थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कारणों की जांच कराई, जिसमें परिवहन संबंधी समस्याएं सामने आईं। जांच में पता चला कि बिहारशरीफ से राजगीर आने-जाने के लिए कई कर्मियों के पास निजी वाहन नहीं थे। वहीं सार्वजनिक परिवहन की सीमित उपलब्धता के कारण उन्हें समय पर ड्यूटी स्थल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

भागलपुर से मुंगेर तक 3 साल में तैयार होगा मरीन ड्राइव, 22 हजार एकड़ में बनेगा नया टाउनशिप

भागलपुर, एजेंसी। पटना में बने मरीन ड्राइव की तरह अब भागलपुर से मुंगेर तक भी मरीन ड्राइव बनाए जाने की योजना है। दोनों जिलों को नया टूरिस्ट स्पॉट मिल सकेगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि भागलपुर से मुंगेर तक मरीन ड्राइव तीन साल में बनकर तैयार होगा। इसके बनने से जिले के विकास को रफ्तार मिल सकेगी। जानकारी के मुताबिक, यह परियोजना दो हिस्सों में विकसित की जाएगी। पहला कॉरिडोर मुंगेर के सफियाबाद से सुल्तानगंज तक बनेगा। इसकी लंबाई लगभग 42 किलोमीटर होगी। दूसरा सुल्तानगंज से भागलपुर होते हुए सबौर तक जाएगा। इसकी लंबाई करीब 41।33 किलोमीटर तय की गई है। दोनों को मिलाकर टोटल 83 किलोमीटर से ज्यादा लंबा मरीन ड्राइव इस इलाके को नई पहचान देगा। मुंगेर-सुल्तानगंज कॉरिडोर में करीब 30।12 किलोमीटर सड़क एट-ग्रेड और 11।88 किलोमीटर एलिवेटेड बनेगी। जबकि सुल्तानगंज-भागलपुर-सबौर प्रोजेक्ट में 30।77 किलोमीटर एट-ग्रेड और 10।56 किलोमीटर एलिवेटेड सड़क होगी। मुंगेर-सुल्तानगंज गंगा पथ पर लगभग 5327 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल पर बनेगा, जिसमें 40 प्रतिशत निवेश सरकार और 60 प्रतिशत निजी डेवलपर करेगा।

नालंदा में सूखे नशे का फैलता जाल नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा से कंचन की रिपोर्ट) नालंदा जिले में ब्राउन शुगर, हेरोइन, गांजा और नशीले इंजेक्शनों का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है। इसके साथ ही जिले में हिंसा, छिनतई, रंगदारी, मारपीट और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नशे की लत पूरी करने के लिए कई युवक अपराध की राह पकड़ रहे हैं, जिससे सामाजिक माहौल पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जिले में नशे के बढ़ते प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विरोध करने वालों को भी हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। तीन माह पूर्व रामचंद्रपुर के उत्तरी गांधी नगर में नशा कर रहे युवकों का विरोध करने पर एक परिवार के पिता-पुत्र के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। हाल के दिनों में सूर्य तालाब, नाला रोड और मेट्रो अस्पताल मोड़ के आसपास मारपीट और फायरिंग की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनमें नशे के आदी युवकों की संलिप्तता की चर्चा रही। विशेषज्ञों के अनुसार जिले में 16 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के बीच सूखा नशा तेजी से फैल रहा है। अनुमान है कि हर महीने 150 से 180 नए युवा इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। शुरुआत अक्सर दोस्तों की संगत और उत्सुकता से होती है, लेकिन कुछ ही समय में यह गंभीर लत का रूप ले लेती है। नशे का कारोबार अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। बीड़ी अस्पताल, नालंदा कॉलोनी, मगध कॉलोनी, उत्तरी गांधी नगर, बाजार समिति, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, सोहसराय, टिकुलीपर और चुड़ीचक जैसे इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी पहुंच बढ़ रही है। हाल ही में नूरसराय के दरुआरा गांव में एक युवक की संदिग्ध मौत को भी लोग नशे से जोड़कर देख रहे हैं।

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने पकड़ी रफ्तार

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'पैमाना' रिपोर्ट में दिखी विकास की तस्वीर

2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 81 प्रोजेक्ट्स से मजबूत हो रही आधारभूत संरचनाएं

जयपुर, एजेंसी। यदि दूरदर्शी और सकारात्मक परिणाम देने की सोच के साथ कार्य किया जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इसी विजन के चलते राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट नई रफ्तार पकड़ रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी 'पैमाना' रिपोर्ट के आंकड़े विकास की यही कहानी बयां कर रहे हैं। इसके अनुसार राजस्थान में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं।

राजस्थान रिफाइनरी : पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में क्रांतिकारी कदम

प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का जल्द ही उद्घाटन किया जाना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इस परियोजना की लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपये है। बाड़मेर के पचपदरा में बनी इस रिफाइनरी से ना केवल राजस्थान बल्कि पूरे पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही बाड़मेर में एचपीसीएल द्वारा 461 करोड़ रुपये की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना भी प्रगति पर है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

एनर्जी ट्रांसमिशन से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राजस्थान

राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में काफी संभावनाएं होने के कारण बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एनर्जी ट्रांसमिशन की 19 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें बहुराज्यीय प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली 'राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना' राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली है।

पटरी पर रफ्तार पकड़ रहा रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर

रेलवे क्षेत्र की बात की जाए, तो राजस्थान में उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी लागत 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपये है। जिनमें लगभग 1 लाख 55 हजार 524 करोड़ रुपये की लागत की 10 बहुराज्यीय परियोजनाओं के अलावा प्रदेश में भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। एक लाख 24 हजार करोड़ रुपये की लागत से गुजरात-हरियाणा-महाराष्ट्र-राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य पूर्ण होने जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले प्रोजेक्ट्स में 968 करोड़ रुपये की देवगढ़ मदारिया से नाथद्वारा, 166 करोड़ रुपये की नाथद्वारा-नाथद्वारा टाउन, 799 करोड़ रुपये की पुष्कर-मेड़ता सिटी, 189 करोड़ रुपये लागत की पोकरण-रामदेवरा नई रेल लाइन ऐतिहासिक कदम साबित होंगे। वहीं, 166 करोड़ रुपये की वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के रखरखाव एवं कार्यशाला डिपो परियोजना, 1 हजार 634 करोड़ की अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, 468 करोड़ की सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, 747 करोड़ की धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, 967 करोड़ की गुढ़ा-ठाठा मीठड़ी नई रेल परियोजना, 1 हजार 203 करोड़ की सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन तथा 1 हजार 390 करोड़ रुपये की आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स भी प्रदेश में चल रहे हैं।

सरपट दौड़ रहा सड़कों के विकास का रथ

राजस्थान में सड़क मार्गों के विकास के जरिये आधारभूत संरचनाओं का विकास रथ भी तेज गति से दौड़ रहा है। प्रदेश में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ एनएचएआई के द्वारा लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की 28 सड़क एवं राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें राजस्थान से गुजरने वाला लगभग 6 हजार 500 करोड़ रुपये के अधिक की लागत का दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट भी शामिल है। वहीं, लगभग 195 करोड़ की लागत से एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी खंड का चार लेन और 379 करोड़ की लागत से अजमेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्यावर-गोमती चार लेन का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार एनएच-11 पर फतेहपुर, मंडावा और झुंझुनूं बाईपास 186 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुका है। एनएच-162 पर 606 करोड़ रुपए की लागत से नाथद्वारा से भटेवर तक का उन्नयन जैसे कई राजमार्गों पर विकास कार्य प्रगतिरत हैं।

रनवे पर राजस्थान की ऊंची 'उड़ान'

राजस्थान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 2 हजार 874 करोड़ रुपये लागत की 3 महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्रियान्वित कर रहा है। बूंदी-कोटा में 1 हजार 507 करोड़ की नई ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना को अगस्त 2025 में स्वीकृति मिली और नवंबर 2027 तक पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह परियोजना हाड़ौती क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसी प्रकार उदयपुर हवाई अड्डे पर 887 करोड़ रुपए की एकीकृत टर्मिनल परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य सितंबर 2026 तय किया गया है। वहीं, जोधपुर हवाई अड्डे पर 480 करोड़ रुपए की नए घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना लगभग पूर्ण हो चुकी है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राजस्थान एक आधुनिक और सुदृढ़ अवसंरचना वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 81 केंद्रीय परियोजनाएं, राजस्थान रिफाइनरी, सौर ऊर्जा संचरण नेटवर्क, रेलवे का आधुनिकीकरण, नए हवाई अड्डे और चौड़े राजमार्गों के जरिये राजस्थान अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से राजस्थान में होगा नई ऊर्जा का संचार : टीकाराम जूली

पुष्कर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुष्कर में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर को राजस्थान कांग्रेस के इतिहास में एक मील का पत्थर बताया है। इस 10 दिवसीय शिविर में पूर्ण रूप से शामिल रहे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस गहन प्रशिक्षण से पार्टी के जमीनी नेतृत्व में एक नई ऊर्जा और संकल्प का संचार हुआ है, जो आने वाले समय में राज्य में कांग्रेस को एक अभेद्य शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। शिविर के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के नेता राहुल गांधी ने वर्चुअल माध्यम से शिविर को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व और आपसी समन्वय की खुलकर सराहना की। उन्होंने राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष (LoP) के बीच के आपसी तालमेल और मिलकर काम करने की कार्यशैली को पूरे देश के लिए एक 'बेहतरीन उदाहरण' (Good Example) बताया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी के इन शब्दों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहाः 'राहुल जी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। हम इस भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और आपसी समन्वय के इसी उत्कृष्ट उदाहरण को बूथ स्तर तक लेकर जाएंगे। '

जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण सांगठनिक ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संगठन में मेहनत करने वालों को आगे बढ़ाया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, AICC प्रभारी सुखजिन्दर रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा और मैं स्वयं अपने-अपने जिले के कांग्रेस जिला अध्यक्ष रहे हैं। पार्टी सभी का काम देखती रहती है और उचित समय पर उन्हें नई जिम्मेदारी देती है।

भोजन की पौष्टिकता एवं गुणवत्ता जांचने लिए अधिकारी राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करें— मुख्य सचिव

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पी एम पोषण योजना से जुड़े संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति (State Steering cum Monitoring Committee) की बैठक संपन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पी एम पोषण योजना की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। भारत सरकार द्वारा उक्त योजना हेतु राज्य के लिए 953.97 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसे समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए पीएम पोषण योजना के RAJSIMS पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश भी प्रदान किए। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने भारत सरकार की ओर से राज्य में संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करें।

मुख्य सचिव को अवगत कराया गया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर व शैक्षणिक विकास को सशक्त आधार दिया जा रहा है। यह भी बताया गया कि योजना से बच्चों में कुपोषण की समस्या कम हो रही है, विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति भी घट रही है और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है।

पाली में पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील 8000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

पाली, एजेंसी। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. पाली-प्रथम इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये विक्रम, पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली को 8,000 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों ट्रेप किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ए.सी. बी. चौकी पाली-प्रथम को एक शिकायत इस आशय की मिली कि विक्रम पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली द्वारा परिवादी स्वयं के नाम से पूर्व में क्रय भूमि के नामान्तरण व विभाजन करने की एवज में 11,000 रूपये की मांग कर पूर्व में 5,000 रूपये प्राप्त कर लेना एवं वर्तमान में परिवादी की माता के नाम पटवार हल्का लाटाडा में स्थित भूमि खसरा संख्या 80 के सीमांकन हेतु 2000 रूपये की मांग करना तथा पूर्व में परिवादी के किये गये कार्यों की एवज में बकाया 6,000 रूपये इस प्रकार कुल 8,000 /- रूपये रिश्वत राशि मांग परेशान किया जा रहा था। जिस पर एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरवीजन में ए.सी.बी. पाली प्रथम के धर्मेन्द्र डुकिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आज के ट्रेप कार्यवाही करते हुए विक्रम, पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली को 8000/- रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों ट्रेप किया गया है।

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही भागीदारी, मई माह में अब तक का सर्वाधिक इंस्टॉलेशन

जयपुर, एजेंसी। प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है। इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9,316, जयपुर डिस्कॉम में 9,204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाए हैं। इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।

सर्वाधिक निरीक्षण एवं सब्सिडी भी

राजस्थान डिस्कॉम्स इस योजना को गति दे रहे हैं। इसके अन्तर्गत मई माह में डिस्कॉम के कार्मिकों ने 27 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं के रूफ टॉप सोलर आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया। यह किसी भी माह में सर्वाधिक आवेदनों का निरीक्षण है। डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बीते दिनों तीनों वितरण निगमों के सभी सर्किलों में निरीक्षण के प्रकरणों की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा कर निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी से लाने के निर्देश दिए थे। इसी का नतीजा रहा कि अभियंताओं ने सर्वाधिक निरीक्षण प्रक्रियाओं को सम्पन्न किया जिससे माह सर्वाधिक 31,437 उपभोक्ताओं को सबसिडी भी प्राप्त हुई। साथ ही, 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार से इसके लिए लगभग 1460 करोड़ रूपए की सब्सिडी भी लाभार्थी उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

वैदिक संस्कारों की अलख जगाने को तृतीय विप्र बालक संस्कार शिविर का शुभारंभ

लालसोट, एजेंसी। ब्राह्मण समाज लालसोट एवं श्री परशुराम सेना संघ के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम मंदिर परिसर में रविवार से तृतीय विप्र बालक संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के प्रथम दिवस पर बालकों को सनातन संस्कृति, वैदिक परंपराओं, नित्यकर्म, पूजा-पाठ एवं ब्राह्मणोचित संस्कारों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में आचार्य दीपक शर्मा ने बच्चों को दैनिक पूजा-पद्धति और वैदिक नित्यकर्मों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए त्रिकाल संध्या, विभिन्न मुद्राएं, योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, अर्घ्य प्रदान करने की विधि, गायत्री मंत्र जप तथा उपनयन संस्कार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित संध्या-उपासना और गायत्री साधना से व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है तथा जीवन में अनुशासन और सकारात्मकता का संचार होता है। आचार्य श्याम भारद्वाज ने ब्राह्मण धर्म, कर्तव्यों एवं संस्कारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति अपने श्रेष्ठ कर्मों, ज्ञान और संस्कारों से ही ब्राह्मणत्व को प्राप्त करता है। उन्होंने 'जन्मना जायते शूद्रः' के भावार्थ को समझाते हुए बताया कि उपनयन संस्कार के माध्यम से ज्ञान और संस्कृति की दिशा में होने वाला परिवर्तन व्यक्ति के जीवन को नई दिशा प्रदान करता है।

आचार्य पवन शर्मा बिचपुरी ने सरल एवं सहज शैली में बालकों को ब्राह्मणोचित आचरण, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की जानकारी देते हुए उन्हें जीवन में सदाचार, अनुशासन और संस्कारों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

शिविर में प्रथम दिवस पर प्रणव शर्मा, वंश शर्मा, मोहित शर्मा, आशीष बोहरा, शौर्य चतुर्वेदी, तनिष्क शर्मा, निखिल शर्मा, वैभव शर्मा, यथार्थ शर्मा, चिराग जैमिनी, प्रत्यक्ष भट्ट, मनन शर्मा, राघव वैष्णव, पीयूष पुरोहित, अथर्व दीक्षित, हर्ष शर्मा, आदित्य शर्मा, प्रियांशु शर्मा एवं आनंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में बालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर नवीन सुकार, रामचरण बोहरा, लक्ष्मण शर्मा, मनोज भट्ट, गोविंद बगड़ी, दीपक बोहरा सहित समाज के अनेक गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महंगाई, पेयजल संकट और कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का सोमवार को प्रदर्शनलालसोट। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालसोट एवं चांदसेन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 1 जून को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद उपखंड कार्यालय में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस नेताओं ने बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि, क्षेत्र में व्याप्त पेयजल संकट, बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि आमजन महंगाई और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहा है, जबकि सरकार इन मुद्दों के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है तथा युवाओं में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर भारी रोष व्याप्त है।

प्रदर्शन सोमवार प्रातः 10:30 बजे उपखंड कार्यालय परिसर में आयोजित होगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालसोट एवं चांदसेन ने सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों, ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यों, मंडल अध्यक्षों, सेवादल पदाधिकारियों, अग्रिम संगठनों के प्रतिनिधियों, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों, पार्षदों, सरपंचों, वार्ड अध्यक्षों तथा समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

हाइड्रोजन टैबलेट: एक घंटे में एक लीटर दूषित पानी को बना देती है पीने लायक

दुनिया में सिर्फ एक प्रतिशत जल पीने लायक है। एक तिहाई आबादी को साफ पीने लायक पानी नहीं मिल पाता है। यह जल इतना दूषित होता है कि एशियाई अफ्रीकी देशों में कई मौतें सिर्फ दूषित पानी पीने से होती हैं। ऐसे में यह इनोवेशन बहुत अहम है। क्योंकि आज जो पानी साफ करने की तकनीकों का इस्तेमाल होता है उनमें काफी ऊर्जा, मेहनत और समय लगता है। यह उन लोगों के लिए बिल्कुल व्यावहारिक नहीं है जहां इस तरह के काम के लिए संसाधन और प्रक्रियाएं उपलब्ध नहीं हैं।

कैसे काम करती है गोली

हाइड्रोजन पैराऑक्साइड एक्टिवेटेड कार्बन के कणों के साथ बैक्टीरिया के जरूरी कोशिका घटकों पर हमला कर उनके मैटाबोलिज्म को खराब कर देता है। इस प्रक्रिया में कोई ऊर्जा नहीं लगानी पड़ती है। बाद में हाइड्रोजेल का तत्व जो अपशिष्ट के रूप में बचा रहता है उसे बाद में स्वच्छ पानी होने के बाद आसानी से हटाया जा सकता है। इस शोध पर प्रोफेसर गुईहुआ यू ने अध्ययन किया है। अध्ययन के अनुसार यह इनोवेशन हाइड्रोजनजेल गोली वैश्विक जल समस्या कम करने में बड़ा अंतर ला सकती है।

ज्यादा कारगर तकनीक

आज नदी-तालाबों के दूषित पानी को शुद्ध करने का सबसे अच्छा तरीका उसे उबालना या फिर पाश्चुरीकृत करना माना जाता है, लेकिन शोधकर्ताओं का मानना है कि उनकी तकनीक आसान, बहुत कारगर और बड़े पैमाने पर काम कर सकने वाली है। इसी वजह से वह एक गेमचेंजर साबित हो सकती है।

गोली कैसे है फायदेमंद

यह खास हाइड्रोजेल हाइड्रोजन पैराऑक्साइड पैदा करती है जिसकी बैक्टीरिया को खत्म करने की कारगरता 99.99 प्रतिशत है। साफ पीने लायक पानी उपलब्ध कराने का काम काफी खर्चीला भी है। ऐसी स्थिति में यह हाइड्रोजेल गोली कम खर्च में दूषित जल को पीने के पानी में बदलने में पूरी तरह सक्षम है।

जर्मनी के बाल्टिक सागर के रुगेन द्वीप पर हिटलर के आदेश पर बने इस होटल को कोलोसस ऑफ प्रोरा के नाम से जाना जाता है. हिटलर के कहने साल 1930 में इस होटल का डिजाइन तैयार किया था. इस होटल में 20,000 कमरे बनने थे.

हिटलर का वो शानदार होटल जहां कभी कोई टूरिस्ट नहीं ठहरा

आपने अभी तक कई बड़ी हस्तियों के होटलों के बारे में सुना होगा, जिन्हें बनाने में या तो 25 साल लगे या फिर 100 साल। इसी बीच एक ऐसे शख्स के होटल का नाम भी जुड़ता है, जिसे अभी तक का सबसे शक्तिशाली लेकिन बेरहम तानाशाह कहते हैं। हम बात कर रहे हैं एडोल्फ हिटलर की, जिसने अपने समय में विश्व का सबसे बड़ा होटल बनाने की योजना बनाई थी। लेकिन शायद तकदीर को ये मंजूर नहीं था। उसके इस होटल का नाम कोलोसस ऑफ प्रोरा था, जिसमें 9 हजार मजदूर तैनात किए गए थे, जो दिन-रात इस होटल के कंस्ट्रक्शन में लगे रहते थे और लगातार 3 साल तक इसका काम चलता रहा। लेकिन कहानी में गजब मोड़ के बाद इसका निर्माण कार्य रोक दिया गया।

एडोल्फ हिटलर ने सैनिकों के लिए एक हॉलीडे कैंप बनवाने की योजना बनाई. तब दूसरे विश्व युद्ध की शुरुआत तो नहीं हुई थी, लेकिन दुनिया में नाजियों का खौफ बढ़ने लगा था. इसी दौरान एडोल्फ हिटलर ने सैनिकों के लिए एक हॉलीडे कैंप बनवाने की योजना बनाई. जर्मनी के बाल्टिक सागर के रुगेन द्वीप पर हिटलर के आदेश पर बने इस होटल को कोलोसस ऑफ प्रोरा के नाम से जाना जाता है. हिटलर के कहने पर साल 1930 में इस होटल का डिजाइन तैयार किया था. इस होटल में 20,000 कमरे बनने थे. लगभग नौ हजार मजदूरों ने लगातार काम करते हुए इमारत तैयार की, तभी दूसरा विश्वयुद्ध छिड़ गया.

हिटलर का पसंदीदा प्रोजेक्ट

लगभग पांच किमी के दायरे में फैले इस आइलैंड को तैयार करवाने का जिम्मा नाजी ने लिया. इस होटल को तैयार करवाने के पीछे हिटलर का मकसद था कि जर्मन लोग खासकर सैनिक काम के बाद मौज-मस्ती करते हुए वक्त बिता सकें. होटल को प्रोरा नाम दिया गया, जिसका अर्थ है बंजर जमीन. ये नाम इसलिए मिला क्योंकि होटल को समुद्र के बीच रेतीली जगह पर बनाया गया था. होटल बनाने का काम बड़े पैमाने पर शुरू हुआ.

करोड़ों की लागत

होटल के निर्माण में लगभग नौ हजार मजदूरों को लगाया जिन्होंने दिन-रात काम किया. इसे बनाने के लिए साल 1936 से 1939 तक लगातार काम चलता रहा. इस प्रोजेक्ट में उस समय 237.5 मिलियन जर्मन करेंसी लगी. आज के समय में यह लागत हुई लगभग 899 मिलियन यूएस डॉलर. इसके आठ हाउसिंग ब्लॉक, थिएटर और सिनेमा हॉल बनकर तैयार हो गए. स्विमिंग पूल और

फेस्टिवल हॉल का काम शुरू ही होने वाला था कि तभी दूसरा विश्व युद्ध शुरू हो गया और 1939 में काम रुक गया. सभी मजदूरों को सेना में भेज दिया गया.

सबसे बड़ा होटल बनाने की थी योजना

हिटलर प्रोरा को दुनिया का सबसे बड़ा होटल बनाना चाहता था. वह चाहता था कि ऐसा विशालकाय रिजॉर्ट बनाया जाए जो दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा रिजॉर्ट हो. उसकी योजना 20,000 बेडरूम वाला होटल बनाने की थी. हर कमरे का रुख समुद्र की ओर रखने का प्लान था. हर रूम का आकार 5 गुणा 2.5 मीटर होना था, जिसमें दो बेड हों, एक वार्डरोब और एक सिंक हो. काम्पलेक्स के बीच में एक विशालकाय भवन बनाने की भी योजना थी, जिसे जरूरत पड़ने पर युद्ध के समय में सैन्य अस्पताल में बदला जा सके.

सैनिकों ने किया इस्तेमाल

इसके बाद होटल का काम फिर कभी शुरू नहीं हो सका. होटल की अधबनी इमारतों का इस्तेमाल सैनिकों ने बैरक की तरह किया. पहले सोवियत ऑर्मी के सैनिक यहां छिपे. जिनके बाद नेशनल पीपल्स ऑर्मी और उनके बाद युनिफाइड आर्म्ड फोर्स ऑफ जर्मनी के सैनिक यहां रहे. बमबारी के समय सैनिकों के अलावा आम लोग भी यहां छिपने के लिए आया करते थे. इसी दौरान ये चममचाती इमारत बुरी तरह से टूट फूटकर खंडहर में बदलने लगी.

सैन्य चौकी भी बनी

युद्ध के बाद प्रोरा का इस्तेमाल पूर्वी जर्मनी की सेना के लिए सैन्य चौकी के तौर पर किया गया. 1990 में जर्मनी के एकीकरण के बाद इसके कुछ हिस्से का इस्तेमाल मिलिट्री टेक्निकल स्कूल के तौर पर किया गया. फिर बाद में बाल्कन के शरणार्थी यहां आकर ठहरे. इसके कुछ ब्लॉक खंडहर हो गए हैं. उनको छोड़कर होटल का बाकी हिस्सा अब भी सुंदर लगता है.

बेचने की कोशिश भी हुई

हिटलर के सपनों के होटल को कई बार बेचने की कोशिश की गई. लेकिन ये कोशिश कभी भी परवान नहीं चढ़ सकी. हर बार डील किसी न किसी वजह से टूट जाती थी. लोगों का मानना था कि लड़ाई के समय यहां बहुत सी जानें गई होंगी इसलिए ये जगह भुतहा भी हो सकती है. साल 2004 के बाद इस होटल के अलग-अलग हिस्सों को बेचने में सफलता मिलने लगी. हर हिस्से के खरीदार ने अपनी खरीदी जगह का इस्तेमाल अपनी तरह से किया है. अब यह 20 हजार लोगों के ठहरने के लिए होटल तो नहीं बचा है, लेकिन एक हिस्से में दुनिया का सबसे बड़ा हॉस्टल बना हुआ है, जिसे ब्लॉक फोर के नाम से जाना जाता है.

वर्तमान स्थिति

दशकों तक खाली और सैन्य इस्तेमाल (सोवियत और पूर्वी जर्मन सेना द्वारा) में रहने के बाद, अब इस जगह का पूरी तरह से कायाकल्प कर दिया गया है. इसे अब एक आधुनिक लग्जरी टूरिस्ट डेस्टिनेशन में बदल दिया गया है। इसके ब्लॉक्स को निजी निवेशकों को बेचकर वहां लग्जरी अपार्टमेंट्स, एक 5-स्टार होटल, स्पा और एक यूथ हॉस्टल खोल दिया गया है। यहाँ के अपार्टमेंट्स अब लाखों डॉलर्स में बिकते हैं और लोग यहाँ छुट्टियां बिताने आते हैं।

साल के अंत तक लॉन्च होगा दुनिया का सबसे बड़ा सेलिंग यॉट

लग्जरी और भव्यता के शौकीनों के लिए एक शानदार खबर है। ऐतिहासिक लग्जरी ट्रेनों के लिए मशहूर ओरिएंट एक्सप्रेस अब पटरियों से उतरकर समुद्र की लहरों पर राज करने की तैयारी में है। साल के अंत तक दुनिया का सबसे बड़ा और आलीशान सेलिंग यॉट लॉन्च होने जा रहा है, जो सुविधाओं के मामले में किसी सात सितारा होटल से कम नहीं होगा।

220 मीटर लंबे इस विशालकाय यॉट को फ्रांस की मशहूर शिप बिल्डिंग कंपनी शांतिये द ल अटलांटिक ने तैयार किया है। इसके डिजाइन में 1960 के दशक की यूरोपीय क्लासिक शैली और आर्ट डेको स्टाइल का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है। फ्रांसीसी कारीगरों ने इसके इंटीरियर को इतनी बारीकी से संवारा है कि इसमें कदम रखते ही आपको पुराने क्लासिक ओशन लाइनर्स की याद आ जाएगी, जिसे आज के आधुनिक दौर के हिसाब से अपडेट किया गया है।

शाही सुइट्स और बेमिसाल सुविधाएं

इस यॉट में केवल 110 मेहमानों के रहने का इंतजाम है, जिसके लिए 54 बेहद लग्जरी सुइट्स बनाए गए हैं। हर सुइट की खासियत इसकी ऊंची छतें, बड़ी खिड़कियां और प्राइवेट टेरेस हैं, जहां से समुद्र का खूबसूरत नजारा देखा जा सकेगा। मनोरंजन और खान-पान के लिए इसमें ऐसे इंतजाम हैं, जो हैरान कर देते हैं-

रेस्तरां और बार- यहां 5 हाई-एंड रेस्तरां और 8 शानदार बार होंगे। खाने का मेन्यू मशहूर मल्टी-मिशलिन स्टार शेफ यानिक एलेनो तैयार करेंगे।

खास आकर्षण- यॉट के अंदर पेरिस थीम वाला एक कैबरे, एक आधुनिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो, स्पा और दो बड़े स्विमिंग पूल मौजूद होंगे।

हवा की शक्ति से चलेगा यह जहाज

यह यॉट न केवल दिखने में भव्य है, बल्कि तकनीक के मामले में भी काफी मॉडर्न है। इसमें सॉलिड सेल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें 3 विशाल खंभों पर करीब 48,500 स्क्वायर फीट के रिजिड सेल लगाए गए हैं। ये सेल हवा की पावर का इस्तेमाल कर जहाज को आगे बढ़ाएंगे। पर्यावरण का ख्याल रखते हुए इसमें प्रदूषण कम करने के लिए एलएनजी इंजन का बैकअप दिया गया है और यह भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल के लिए भी सक्षम है। सुरक्षा के लिए इसमें एआई आधारित एक खास सिस्टम लगाया गया है, जो समुद्र में व्हेल मछलियों से होने वाली टक्कर को रोकने में मदद करेगा।

कब और कहां होगी पहली यात्रा?

ओरिएंट एक्सप्रेस का यह बेजोड़ यॉट 2026 के अंत में अपनी पहली यात्रा शुरू करेगा। इसकी शुरुआत पुर्तगाल के लिस्बन से होगी, जहां से यह 14 दिनों की ट्रांस-अटलांटिक यात्रा कर बारबेडोस पहुंचेगा। सर्दियों के दौरान यह कैरेबियन के शांत और खूबसूरत द्वीपों की सैर कराएगा, जबकि गर्मियों में इसे भूमध्यसागर के सेंट-ट्रोपेज और पोर्टोफीनो जैसे मशहूर ठिकानों पर देखा जा सकेगा।

टाटा ग्रुप की कंपनी को लेना पड़ रहा है लोन, चीन की वजह से आई ऐसी नौबत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप की एक कंपनी को बैंकों से कर्जा

लेना पड़ रहा है। टाटा मोटर्स की ब्रिटिश लग्जरी कार यूनिट जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी को अगले साल की शुरुआत में कर्ज की अदायगी करनी है। इसे रिफाइनेंस करने के लिए वह पांच बैंकों से 2 अरब पाउंड यानी करीब 2,56,03,24,00,000 रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी के अहम बाजार चीन में डिमांड में कमी आने और पिछले साल सितंबर में साइबर अटैक का कारण उसका प्रोडक्शन और मुनाफा पिछले साल प्रभावित हुआ। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जेएलआर कई मल्टीनेशनल बैंकों से 5 साल का लोन जुटा रही है। पिछले साल कंपनी का नेट प्रॉफिट गिरकर 14 मिलियन पाउंड रह गया था जो एक साल पहले 2.5 अरब पाउंड था। जेएलआर को पिछले फाइनेंशियल ईयर में अमेरिकी टैरिफ, चीन में कमजोर डिमांड और साइबर हमले का सामना करना पड़ा। सितंबर में साइबर हमले के कारण कई हफ्तों तक कंपनी का उत्पादन प्रभावित हुआ था। माना जा रहा है कि इस लोन की कीमत यूके बेंचमार्क स्टरलिंग ओवरनाइट इंडेक्स एवरेज के रेट से 155 बेसिस अंक ज्यादा रह सकती है।

5,200 महंगी हुई चांदी, ईरान संकट से सोने की भी चमक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक बार फिर संकट गहरा गया है। इससे आज सोने और चांदी

कीमत में तेजी आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में 1,000 रुपये और चांदी की कीमत में 5,000 रुपये से अधिक तेजी आई है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर इजरायल ने लेबनॉन में सैन्य कार्रवाई बंद नहीं को तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत बंद कर देगा और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह ब्लॉक कर देगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी कहना है कि अगर ईरान के साथ बातचीत बंद हो गई है तो उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह बातचीत बोरिंग होने लगी थी। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,59,241 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज यह 1,59,449 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,000 रुपये से अधिक तेजी के साथ 1,60,400 रुपये तक उछला ।साथ 1,60,224 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी भी 4,340 रुपये यानी 1.63 फीसदी तेजी के साथ 2,70,503 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है

फिर सस्ता हुआ क्रूड लेकिन भोपाल में पेट्रोल 114 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में मिला जुला संकेत है। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड सस्ता हुआ है तो मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली तेजी दिखी है। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी मंगलवार, 2 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

डीजल की कीमत क्या है: सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

क्रूड ऑयल के मामूली तेजी: ग्लोबल मार्केट में सोमवार को फिर से कच्चे तेल में मिलाजुला रूख दिखा। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड का दाम 0.92 फीसदी कम होकर 96.60 डॉलर प्रति बैरल रह गया तो दूसरी ओर मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली 0.02 फीसदी की तेजी दिखी। सुबह के कारोबार में यह 94.96 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था। डब्ल्यूटीआई क्रूड में 0.17 फीसदी की गिरावट दिखी। यह 92.00 प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था।

ऐसे चेक करें भाव: पेट्रोल-डीजल के भाव जब बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज़ का रेट के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

भारतीय कंपनियों को अभी भी नुकसान

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि भारत की सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडयन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है।

एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट, पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी यानी लिक्विड पेट्रोलियम गैस की किल्लत की खबरों के बीच भारत में इसकी बिक्री घटी है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। हालांकि, इसी दौरान पेट्रोल की बिक्री में 4.8 प्रतिशत जबकि डीजल की बिक्री में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की बिक्री में भी 1.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से जारी सेल्स आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ये आंकड़े बीते मई के हैं और इसकी तुलना बीते साल के मई के आंकड़ों से की गई है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल एवं हवाई जहाज के ईंधन के बाजार में इंडियन ऑयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी की है। यदि एलपीजी की बात करें तो इसमें तो इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी करीब शत-प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2026 के दौरान भारत में एलपीजी की बिक्री में करीब 16 फीसदी का इजाफा हुआ था। माना जा रहा है कि उस समय ईरान-इजरायल युद्ध के आलोक में घर में रखे खाली सिलेंडरों को भी बदल कर भरे सिलेंडर ले रहे थे। इसलिए इसकी बिक्री बढ़ी थी। मई में यह इसलिए घट गया क्योंकि सप्लाई सामान्य हो गई और ग्राहकों के घर के अतिरिक्त सिलेंडर पहले से भरे पड़े थे। डीजल की खपत मुख्य रूप से सड़क परिवहन के साधनों में होता है। इसके साथ ही खेती-बारी के लिए ट्रैक्टर और पम्पिंग सेट चलाने के लिए भी डीजल का ही उपयोग होता है। सरकारी तेल कंपनियों के आंकड़े कहते हैं कि भारत में पेट्रोल के मुकाबले डीजल की खपत करीब ढ़ाई गुना है।

मनचाहा पैसा देने को तैयार हैं कंपनियां

वैभव सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में मची होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के नए स्टार वैभव सूर्यवंशी पर पैसों की बारिश हो रही है। हाल में संपन्न आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सूर्यवंशी को साइन करने के लिए कम से कम छह टॉप ब्रांड्स लाइन में खड़े हैं। इनमें स्पोर्ट्स ड्रिंक, क्रिकेट बैट, न्यूट्रीशन और हाई परफॉरमेंस फुटवियर बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। हालांकि सूर्यवंशी की टीम राजस्थान रॉयल्स फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही लेकिन 15 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडस्ट्री के एग्जीक्यूटिव्स के हवाले से बताया गया है कि कई टॉप ब्रांड्स सूर्यवंशी को साइन करने के लाइन में लगे हैं। एक एग्जीक्यूटिव ने कहा कि सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में होड़ मची है। इस रेस में कोई पिछड़ना नहीं चाहता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि अभी उनके सामने लंबा करियर है। साथ ही अभी एक वैक्यूम भी है क्योंकि बड़े क्रिकेटर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

एक ब्रांड के मार्केटिंग चीफ ने कहा, 'सूर्यवंशी की फीस अभी 50 लाख रुपये प्रति डील है जो 1 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। लेकिन यह नेगोशिएशंस और इस बात पर निर्भर करेगा कि उनका परिवार उनको कितना एक्सपोजर देना चाहता है।

वैभव सूर्यवंशी का करियर

डेब्यू : 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण आईपीएल : 2025 के ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ में खरीदा मौजूदा एंडोर्समेंट : कॉम्प्लान, झारखंड हेल्थ डिपार्टमेंटसंभावित ब्रांड डील : स्पोर्ट्स ड्रिंक, न्यूट्रीशन, फुटवियर

कमर्शियल वैल्यू

एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पहले की तरह ब्रांड्स अब 3 से 5 साल की डील नहीं करना चाहते हैं। अब वे 2 से 3 साल की डील चाहते हैं। खिलाड़ी के प्रदर्शन के आधार पर उनके पास कॉन्ट्रैक्ट को आने नहीं बढ़ाने का विकल्प रहेगा। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि एंडोर्समेंट फीस के इतर बड़ी बात यह है कि उनके ब्रांड को कितनी सावधानी के साथ गढ़ा जा रहा है। सूर्यवंशी ने हाल में संपन्न आईपीएल में 16 मैचों में 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए।

यूपीआई पर रिकॉर्ड ट्रांजेक्शन, पिछले महीने 30 लाख करोड़ का पेमेंट!

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोस की दुकान पर आप खरीदारी करने गए। आपने 17 रुपये का सामान लिया और 100 का नोट दिया। दुकानदार कहता है, खुले पैसे दो या यूपीआई कर दो। आप अपना मोबाइल फोन निकालते हैं, क्यूआर कोड स्कैन करते हैं और पेमेंट हो जाता है। इसी आसानी की वजह से यूपीआई ने इतिहास बना दिया है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान कुल 29.90 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। यूपीआई करना बेहद सरल हो गया है। देश में जैसे-जैसे स्मार्टफोन रखने वालों की संख्या

बढ़ी, वैसे-वैसे इसकी स्वीकार्यता बढ़ी। यही नहीं, अब तो पारंपरिक फोन में भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा आने लगी है। यही नहीं इससे पेमेंट स्वीकारने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब चाय की टपरी से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल्स और हवाई अड्डे तक में यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है।

19 फीसदी की बढ़ोतरी

नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया या एनपीसीआई के आंकड़ों के मताबिक बीते मई महीने में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई ट्रांजेक्शन हुआ जो कि एक साल पहले के इसी महीने के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा है। यही नहीं, एक महीने पहले यानी अप्रैल 2026 के मुकाबले भी यह तीन फीसदी ज्यादा है। मई 2026 में कुल 23.2 अरब ट्रांजेक्शन हुए जबकि अप्रैल 2026 में 22.35 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। यूपीआई का 'औसत टिकट साइज' (प्रति लेनदेन की औसत रकम) घटी है।

8वें वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों को दी राहत, 15 जून तक जमा कर सकेंगे मेमोरेंडम

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सुझाव और मांगपत्र (मेमोरेंडम) जमा करने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। वेतन आयोग के इस फैसले का असर देश के करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा, जिनमें रक्षा कर्मी और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी शामिल हैं।

क्या है नई समयसीमा: आठवें वेतन आयोग ने अब यह समयसीमा 15 जून 2026 तक कर दी है। इससे पहले अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई थी। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की समयसीमा बढ़ाई है। इससे पहले 30 अप्रैल की समयसीमा थी।

दरअसल, वेतन आयोग ने इसी साल फरवरी महीने में एक वेबसाइट को लॉन्च किया था। इस वेबसाइट के जरिए वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों और कर्मचारी संगठन समेत अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे थे। सुझाव भेजने के लिए वेबसाइट पर कर्मचारियों, पेंशनर्स, यूनियनों और सरकारी विभागों को पहले अपनी श्रेणी का चयन करना होगा, फिर मोबाइल नंबर या ई-मेल के जरिए सत्यापन कर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। फॉर्म में वेतन संशोधन, फिटमेंट फैक्टर, भत्ते, पेंशन ढांचे और पे मैट्रिक्स से जुड़े सुझाव दर्ज किए जा सकते हैं। इसके अगले स्टेप में यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर आवेदन की ट्रैकिंग और आयोग से बैठक के लिए अनुरोध किया जा सकेगा। बता दें कि सभी मेमोरेंडम केवल वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने होंगे। केंद्र सरकार ने पिछले साल जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था लेकिन यह नवंबर 2025 में अमल में आया। पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले 8वें वेतन आयोग ने इस साल अपना कामकाज शुरू किया है। आयोग में पूर्व आईएएस अधिकारी पंकज जैन, सदस्य-सचिव और प्रोफेसर पुलक घोष सदस्य के रूप में शामिल हैं। आइए जान लेते हैं कि आठवें वेतन आयोग की जून और जुलाई में कब-कब बैठक होने वाली है। जम्मू और कश्मीरः श्रीनगर में बैठक 1-4 जून (सोमवार-गुरुवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित हितधारकों के साथ बैठक 8 जून (सोमवार) को निर्धारित है और उनके पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लखनऊ में बैठक 22-23 जून (सोमवार और मंगलवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 10 जून तक का समय है।

महीने में दो बार सैलरी दीजिए', अनुपम मित्तल ने अपील करके मचा दी सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल ने सनसनी मचा दी है। उन्होंने कंपनियों से बड़ी अपील कर दी है। अपील यह है कि वे इस बात पर फिर से सोचें कि कर्मचारियों को सैलरी कैसे और कब दी जाए। उनका तर्क है कि सैलरी आदर्श रूप से महीने में दो बार दी जानी चाहिए। न कि उस 'ब्रिटिश-जमाने' के सिस्टम को फॉलो करते हुए जिसमें सैलरी अगले महीने दी जाती है। मित्तल ने सोमवार को लिंक्डइन पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई कंपनियां खुद को कर्मचारी-केंद्रित दिखाने के लिए ज्यादा छुट्टियां, मुफ्त खाना और रिमोट वर्क जैसे फायदों को बढ़ावा देती हैं। लेकिन, अक्सर कर्मचारियों के लिए सबसे जरूरी मुद्दों में से एक को नजरअंदाज़ कर देती हैं। वह है - समय पर सैलरी का पेमेंट। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर कंपनियां 7 तारीख को सैलरी देती हैं। कुछ 1 तारीख को देती हैं सिवाय तब जब उस दिन वीकेंड हो, जिसका मतलब है कि सैलरी 2, 3 या 4 तारीख को मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले हमने कंपनी में फैसला किया कि सैलरी मौजूदा महीने के आखिर में ही दी जानी चाहिए, न कि अगले महीने। यह कोई 'पर्क' (अतिरिक्त सुविधा) नहीं है, बल्कि यह तो 'कॉमन सेंस' (सामान्य समझ) की बात

है।' मित्तल के अनुसार, सैलरी मिलने में देरी का कर्मचारियों के रोजमर्रा के खर्चों पर काफी असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'कारण है कि कुछ लोगों के लिए एक हफ्ते की देरी शायद सिर्फ एक 'अकाउंटिंग डिटेल' (हिसाब-किताब की छोटी-मोटी बात) हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोगों के लिए इसका मतलब हो सकता है - श्वस्ड्ढ का बाउंस होना, किराए का जुगाड़ करने की हड़बड़ी, किसी को फोन करके पैसे मांगने की शर्मिंदगी या फिर किसी ऐसी समस्या को ठीक करने में आधा दिन बर्बाद करना जो असल में कभी पैदा ही नहीं होनी चाहिए थी।'उन्होंने तर्क दिया कि सैलरी का समय पर और आसानी से मिलना कर्मचारियों की आर्थिक स्थिरता को बेहतर बनाता है। उन्होंने आगे कहा, 'कैश फ्लो ही असल 'गरिमा' है।' मित्तल ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए सुझाव दिया कि कंपनियों को कर्मचारियों को महीने में दो बार सैलरी देने पर विचार करना चाहिए।

ठेलेवाला कितना कमाता होगा ये न सोचना, 5 लाख के लोन से आज 3 करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। किस्मत चमकते देर नहीं लगती। बस, आप अपना काम ईमानदारी से करते रहिए। ऐसा ही कुछ अब्दुल रईस के साथ हुआ है। वह मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के रहने वाले हैं। एक समय था जब उन्हें ठेले पर फल बेचने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन, 5 लाख रुपये के लोन और कड़ी मेहनत ने सबकुछ बदल दिया। आज अब्दुल रईस ने 3 करोड़ सालाना के टर्नओवर वाला बिजनेस खड़ा कर दिया है। अपनी मुश्किलों को उन्होंने कामयाबी का किस्सा बनाया है। आइए, यहां अब्दुल रईस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की हिम्मत किसी की भी जिंदगी बदल सकती है। अब्दुल रईस ने करीब 30 साल पहले अपना सफर शुरू किया था। उस समय वह बेहद मुश्किल हालात में एक साधारण से ठेले पर फल बेचा करते थे। चुनौतियां इम्तिहान लेती रहीं। खासकर बारिश के मौसम में। तब बिजनेस पूरी तरह से ठप हो जाता था। इन रुकावटों के बावजूद उन्होंने अपने सफर में आगे बढ़ने का फैसला किया। आखिरकार उन्हें कामयाबी मिल ही गई। अपने रिश्तेदारों और परिवार की मदद से रईस ने करीब 5 लाख रुपये का लोन लेकर अपना बिजनेस दोबारा शुरू किया। यह उनकी जिदंगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

धीरे-धीरे उनकी मेहनत और लगन रंग लाने लगी। उनका छोटा सा बिजनेस बड़ा होने लगा। समय के साथ रईस ने अपने छोटे से ठेले वाले बिजनेस को बहुत बड़े और सफल

फलों के बिजनेस में बदल दिया। अब्दुल रईस का बिजनेस अब 'नीलम फ्रूट' के नाम से जाना जाता है। बुरहानपुर में यह एक जाना-माना नाम बन चुका है। ग्राहक दूर-दूर से उनकी दुकान पर फल खरीदने आते हैं। उनकी दुकान ने अपनी अच्छी क्वालिटी और भरोसे के दम पर खास पहचान बनाई है।

तेजी से फल-फूल रहा कारोबार

हर दिन फलों से लदी करीब 2-3 गाड़ियां उनकी दुकान पर पहुंचती हैं। रिटेल ग्राहकों के अलावा, कई छोटे व्यापारी भी उनसे फल खरीदते हैं। उन्हें स्थानीय बाजारों में बेचते हैं। इससे उनके व्यवसाय का विस्तार और भी बढ़ जाता है। जो काम एक साधारण ठेले के व्यवसाय के रूप में शुरू हुआ था, वह अब फलता-फूलता उद्यम बन गया है। अब्दुल रईस की यह यात्रा इस बात की मिसाल है कि लगन, साहस और निरंतर प्रयास से कठिन से कठिन चुनौतियों पर भी विजय पाई जा सकती है।

अब 3 करोड़ का सालाना टर्नओवर

न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, आज अब्दुल रईस का सालाना टर्नओवर करीब 3 करोड़ रुपये है। उन्होंने लगभग 15 लोगों को रोजगार दिया हुआ है। जो सफर कभी सिर्फ गुजारा करने के संघर्ष के तौर पर शुरू हुआ था, आज वह कई और लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन चुका है। रईस ने फलों की सप्लाई का बहुत बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है। इसके तहत वह भारत के करीब 10 राज्यों से फल मंगवाते हैं। न सिर्फ वह फलों की खरीद-फरोख्त का काम संभालते हैं।

वैभव सूर्यवंशी बेस्ट ओपनर

कौन बेस्ट फिनिशर- IPL 2026 के लिए दिग्गज ने किया सर्वश्रेष्ठ पारी, स्पिनर, पेसर, बैटर का चयन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बाद अब क्रिकेट जगत के दिग्गज अपना-अपना विश्लेषण बता रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर और दिग्गज कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कई मायनों में बेस्ट खिलाड़ियों का चयन किया है। उन्होंने बेस्ट ओपनर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट पारी, बेस्ट बॉलर समेत कई कैटेगरी में खिलाड़ी चुने हैं। वैभव सूर्यवंशी को बेस्ट ओपनर और राजस्थान के ही एक खिलाड़ी को उन्होंने बेस्ट फिनिशर के तौर पर चुना है। आकाश चोपड़ा ने एक्स हैंडल पर मंगलवार (2 जून 2026) की सुबह एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर चयन किया। उन्होंने बेस्ट पारी, बेस्ट ओपनर, बेस्ट बॉलिंग स्पेल, बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट फास्ट बॉलर और बेस्ट स्पिन बॉलर चुने।

- **बेस्ट पारी-** आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल की 67 गेंद पर नाबाद 152 रन की पारी को इस सीजन की बेस्ट इनिंग बताया। आईपीएल इतिहास में यह किसी भारतीय खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। वह आईपीएल में 150 का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने कहा विराट, शुभमन और वैभव की कई पारियां थीं लेकिन बेस्ट पारी राहुल की थी।
- **बेस्ट बॉलिंग स्पेल-** भारतीय दिग्गज ने मोहसिन खान के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खोले गए पंजे को बेस्ट बॉलिंग स्पेल बताया। उन्होंने कहा कि भुवी और हेजलवुड के भी कई शानदार स्पेल थे, लेकिन पांच विकेट को उन्होंने आईपीएल मैच में तवज्जो दी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मोहसिन ने राजस्थान के खिलाफ लीग मैच में 4 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट लिए थे।
- **बेस्ट ओपनर-** वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। वह पूरे सीजन अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरते रहे। उन्होंने एक सीजन में रिकॉर्ड 72 छक्के भी लगाए। इसी कारण आकाश चोपड़ा ने बिना किसी सस्पेंस के वैभव को सीजन का बेस्ट ओपनर चुना।
- **बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर-** सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में 624 रन बनाने वाले स्टार खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन को आकाश ने सीजन का बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर चुना है। क्लासेन ने पूरे सीजन हैदराबाद के मिडिल ऑर्डर का बोझ संभाला है। चोपड़ा ने कहा, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर भी रेस में थे लेकिन हेनरिक क्लासेन ही बेस्ट रहेंगे।
- **बेस्ट फिनिशर-** आकाश चोपड़ा ने राजस्थान रॉयल्स के डोनोवन फरेरा को आईपीएल 2026 का बेस्ट फिनिशर चुना। उनका स्ट्राइक रेट करीब 180 का रहा। उन्होंने क्वालिफायर 2 में भी 11 गेंद पर 38 रन बनाकर स्कोर 200 पार पहुंचाया था। यही कारण है कि उनकी शानदार हिटिंग एबिलिटी की वजह से फरेरा को चोपड़ा ने सीजन का बेस्ट फिनिशर बताया।
- **बेस्ट फास्ट बॉलर-** भुवनेश्वर कुमार 28 विकेट लेकर इस सीजन सबका दिल जीतने में कामयाब रहे। वह एक विकेट से पर्पल कैप से पीछे रहे लेकिन उन्होंने बेहतरीन इकॉनमी से गेंदबाजी की। आकाश चोपड़ा ने उन्हें सीजन का बेस्ट पेसर चुना और कहा कि उन्होंने अलग-अलग फेज में अलग-अलग मैदानों पर गेंदबाजी करके विकेट लिए और किफायती रहे।
- **बेस्ट स्पिन बॉलर-** आकाश चोपड़ा ने अपने खास सेलेक्शन की इस आखिरी कैटेगरी में राशिद खान को सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना। राशिद ने पूरे आईपीएल 2026 में 17 मैचों में 21 विकेट अपने नाम किए। वह टॉप 10 में एकमात्र स्पिनर रहे जिसने सबसे ज्यादा विकेट इस सीजन रहे। यही कारण है कि भारतीय कमेंटेटर ने भी उन्हें सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना।

2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था।

आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतलफेंकने से जुड़ा है।'

डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन- डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 ।।ष्ठ पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

फ्रेंच ओपन 2026

माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

पेरिस। माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

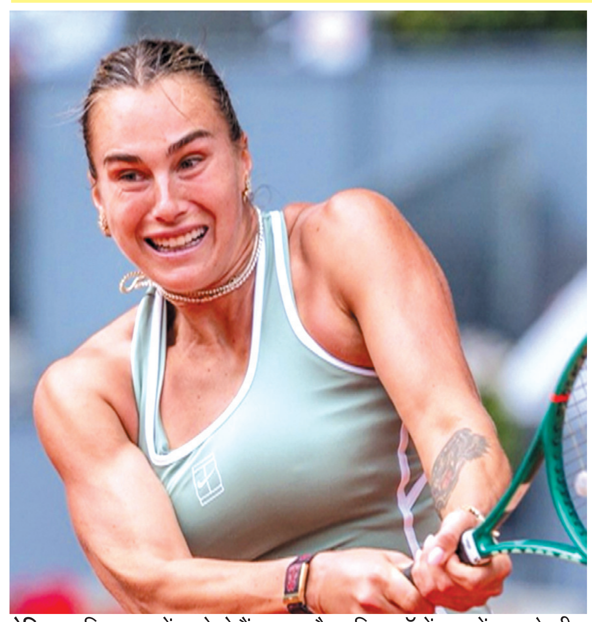

पेरिस। एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7–5, 6–3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

आईसीसी बैठक में हुआ फैसला

टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

● 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी- मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा-** भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच-** आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

● आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

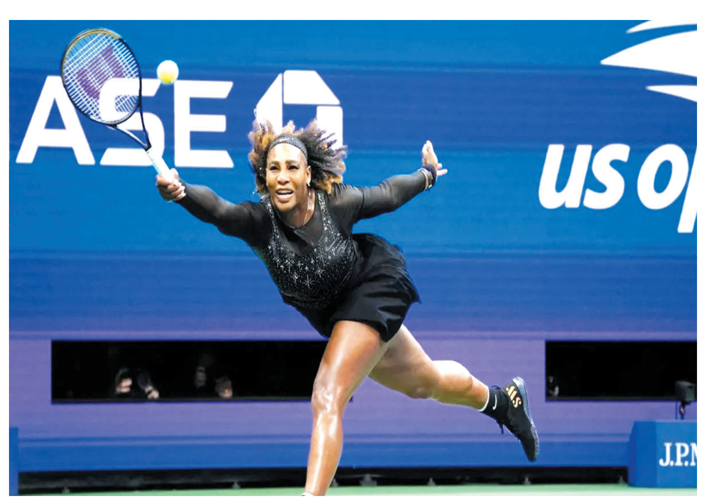

घर से पति के काम पर जाने के बाद महिलाओं को तुरंत नहीं करने चाहिए ये 6 काम

शकुन-अपशकुन और शुभ-अशुभ कार्यों को लेकर कई लोक मान्यताएं चली आ रही हैं। अक्सर घर के बड़े-बुजुर्ग हमें इनका पालन करते को कहते हैं। इसी प्रकार कुछ ऐसे कार्य भी हैं जिन्हें पत्नी को पति के घर से जाने के तुरंत बाद नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करना शुभ नही माना जाता है और ये जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।हिंदू धर्म में ऐसी कई मान्यताएं हैं जिनका पालन अक्सर हमें घर के बड़े-बुजुर्ग करने को कहते हैं। क्योंकि इन्हें शकुन-अपशकुन से जोड़ा जाता है। इसी तरह कुछ कार्य हैं जिन्हें घर के किसी सदस्य के बाहर जाने के तुरंत बाद करना वर्जित माना जाता है। वैसे तो इन बातों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। लेकिन लोक मान्यता है कि पति के काम पर जाने के तुरंत बाद महिलाओं को घर में कुछ काम नहीं करने चाहिए क्योंकि, इन्हें शुभ नहीं माना जाता है। आइए विस्तार से जानें की वे कौन-कौन से कार्य हैं जो पति के बाहर जाने के बाद पत्नी को नहीं करने चाहिए।

बालों में कंघा करना

अगर आप पति के काम पर जाने के तुरंत बाद बाल खोलती हैं या कंघा करती हैं तो ऐसा करना बंद कर देना चाहिए। लोक मान्यता है कि इससे प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। माना जाता है कि तुरंत कंघा करने व बाल खोलने से घर में आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जिसके चलते परिवार का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है।

तुरंत न मारें झाड़ू-पोछा

मान्यता है की पति के घर से बाहर जाने के तुरंत बाद पत्नी या घर के किसी भी सदस्य को घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। इससे माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और पति जिस काम के लिए गए हों उन्हें उसमें बाधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पति के तुरंत जाने के बाद घर से कूड़ा बाहर नहीं करना चाहिए।

न करें स्नान

अक्सर पति के घर से जाने के बाद महिलाएं अपने काम पूरा करके नहाने चली जाती हैं। लेकिन मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। इसे लेकर कहा जाता है कि किसी मनुष्य की मृत्यु के बाद जब घर से उसकी अंतिम विदाई हो जाती है तो तुरंत लोग स्नान करने चले जाते हैं। यही कारण है कि पति के जाने के तुरंत बाद स्नान करना शुभ नहीं माना जाता है।

श्रृंगार उतारना या बदलना

मान्यता है कि पति के जाने के तुरंत बाद महिलाओं को श्रृंगार उतारना या बदलना चाहिए। ऐसा करना सुहागिन महिलाओं के लिए शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए कुछ समय रुकने के बाद ही विवाहित महिलाओं को श्रृंगार करना या अपने गहने बदलने चाहिए।

घर के बाहर पानी डालना

पति के जाने के बाद इस बात का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए कि उनके जाते ही आप घर के बाहर पानी न डालें। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है और इससे घर की लक्ष्मी जा सकती है। वहीं, सुहाग के लिए भी इसे अच्छा नहीं माना जाता है। साथ ही, पति के घर से जाते वक्त कोई भी पानी का बर्तन, बाल्टी आदि खाली करके नहीं रखनी चाहिए। यदि कोई पानी का पात्र खाली हो तो उसे उल्टा करके रख देना चाहिए। क्योंकि, घर से निकलते समय खाली पात्र देखना अच्छा नहीं माना जाता है।

ज्योतिष-वास्तु के उपायों से पाएं शांत और सफल जीवन

कार्यालयों में भी जो कर्मचारी अग्निकोण में बैठते हैं, उनका स्वभाव आक्रमक होने लगता है। अगर बॉस का कमरा अग्निकोण में हो, तो कर्मचारियों पर अक्सर बॉस का गुस्सा उतरता है। अतः वास्तुशास्त्र के अनुसार मालिक या उच्च पदस्थ व्यक्तियों को अग्निकोण की जगह नैऋत्य कोण यानि दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठकर कार्यालय की गतिविधियों का संचालन करना चाहिए। यदि बहुत अधिक क्रोध आता है तो प्रयास करने के बाद भी नियंत्रित न हो रहा हो तो वास्तु के इन महत्वपूर्ण नियमों को अवश्य देखा जाना चाहिए।

सोते समय सिर हमेशा पूर्व अथवा दक्षिण दिशा की ओर करें, सिरहाने की तरफ क्रिस्टल बॉल अथवा एक प्लेट में फिटकरी का टुकड़ा रखें। अगर जन्मकुण्डली में चन्द्रमा का सम्बन्ध शुभ भाव से हो अथवा चन्द्रमा लग्नेश जैसी शुभ भूमिका में हों, तो ही मोती धारण करें। मोती को विशेष प्रभावशाली बनाने के लिए सोमवार के दिन शुभ मुहूर्त देखकर मोती के नीचे चांदी का अर्द्धचन्द्रमा जड़वाकर क्रोधी व्यक्ति के गले में धारण कराऐं। घर अथवा कार्यालय के अग्निकोण में नहीं बैठना चाहिए। जब क्रोध आए, तो गुरू मंत्र का जप अथवा अपने पूज्य माता एवं पिता का स्मरण करना चाहिए।

प्रतिदिन सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम करें जिससे

तन-मन दोनों की शक्ति का विकास हो सके। क्रोध जैसी व्याधियों पर विजय पाने के लिए एवं स्वस्थ निरोगी जीवन जीने के लिए प्राणायाम और सूर्य नमस्कार अचूक अस्त्र है। क्रोध शांत करने हेतु जन्मकुण्डली में जो ग्रह सर्वाधिक बलवान, योगकारक अथवा षोडषवर्गीय कुण्डली के हर वर्ग में जिस ग्रह को विशेष बल प्राप्त हो, उस ग्रह से सम्बन्धित देवी-देवता की आराधना जीवन में विशेष उन्नतिदायक एवं क्रोध शमन हेतु कारगर मानी गई है।

गीता में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने मनुष्य के पतन के तीन कारण बताए हैं, काम, क्रोध और लोभ। ये ऐसे विकार हैं जो मनुष्य को प्रतिकूल स्थिति की ओर ले जाते हैं। जो व्यक्ति जीवन में किसी चीज या स्थिति से असन्तुष्ट हैं, वे अधिक क्रोध करते हैं। ज्योतिष शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र का उद्देश्य मनुष्य के विकारों को न्यूनतम कर उसके जीवन में सुख-समृद्धि की वृद्धि करना है।

दीवारों की सीलन छीन सकती है आपका सुख और चैन ! वास्तु एक्सपर्ट से जानें असर और उपाय

घरों में दीवारों पर सीलन का दिखना आम बात है। अकसर लोग इसे छोटी समस्या समझ कर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे वास्तु दोष का गंभीर कारण माना जाता है। वास्तु एक्सपर्ट कहते हैं कि यह समस्या आपके घर की दीवारों को कमजोर करने के साथ-साथ आपके परिवार के सुख-चैन भी छीन सकती है। घर में सीलन और नमी नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा कारण होती है। इसके कारण परिवार के सदस्यों को मानसिक, शारीरिक समस्याओं के साथ व्यवसाय और करियर में भी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। चलिए वास्तु एक्सपर्ट मान्या से जानते है कि सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को घर से कैसे दूर करें।

सीलन का स्वास्थ्य पर असर

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, सीलन और नमी की वजह से दीवारों पर जमी फंगस घर की हवा को जहरीली बना देती है, जिसका सीधा असर आपके शरीर पर पड़ता है। इसके कारण फेफड़ों में संक्रमण, सांस

लेने में परेशानी, अस्थमा समेत कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ ही घर में लगातार सीलन रहने से चिड़चिड़ापन और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में आप हर वक्त थके हुए महसूस करते हैं और बेचैन रहते हैं।

अलग-अलग दिशाओं में सीलन का प्रभाव

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि जिस दिशा की दीवार पर सीलन आती है, उस दिशा से जुड़ी चीजें प्रभावित होने लगती हैं। सीलन का घर के सदस्यों के स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है।

उत्तर दिशा: अगर उत्तर दिशा की दीवार पर सीलन है तो व्यापार में नए अवसर आना बंद हो जाते हैं और बनी-बनाई हुई डील भी हाथ से निकल जाती है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा: वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा को वित्तीय स्थिरता, आय और विकास का प्रमुख स्थान माना जाता है। अगर इस दिशा में सीलन है, तो पैसा पानी की तरह बहने लगता है। इसके साथ ही, परिवारिक रिश्तों में दरार आने लगती है और पति-पत्नी के बीच झगड़े बढ़ते हैं।

दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम: घर की इस दिशा को डिस्पोजल की दिशा माना जाता है। इस दिशा में नमी या रिसाव होने से घर के सदस्यों की ऊर्जा खत्म होने लगती है। अनावश्यक खर्चे बढ़ते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं की संभावना कई गुणा बढ़ जाती है।

पूर्व दिशा: वास्तु गुरु मान्य के अनुसार, घर की पूर्व दिशा की दीवार में नमी होने से समाज में नाम और प्रसिद्धि पर असर पड़ता है। लोगों के साथ आपके रिश्ते खराब होने लगते हैं और पिता-पुत्र के रिश्ते में भी तनाव आता है।

पश्चिम दिशा: घर की पश्चिम में मौजूद सीलन आपका लाभ को रोकने का काम करती है। आप जितनी भी मेहनत कर लें, आपको सही नतीजा नहीं मिलता।

वास्तु दोष दूर करने के आसान उपाय

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, दीवारों पर सीलन की मौजूदगी घर में धन के प्रवाह को रोकने का काम करती है। ऐसे में कुछ आसान वास्तु उपायों की मदद से आप सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को दूर कर सकते हैं।

कपूर का उपाय: घर के जिस कोने में सीलन हो सबसे पहले वहां की सफाई करें और वहां एक कटोरी में कपूर रख दें। ये नकारात्मक ऊर्जा और बदबू दोनों को खत्म करती है।

सेंधा नमक का पोछा: हफ्ते में दो या तीन बार पानी में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर पोंछा लगाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा द्वार होती है। गुरुवार के दिन पोछा लगाने से बचें।

घर में सूरज की रोशनी: कोशिश करें की सीलन वाले कमरे में सूरज की रोशनी जरूर पड़े। सूर्य की किरणें वास्तु दोष को प्राकृतिक तरीके से ठीक करने का काम करती हैं।

घर में टपकता हुआ नल: अगर दीवार के अंदर कोई पाइप लीक हो रही है तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। वास्तु में बहता हुआ पानी या टपकता हुआ नल आर्थिक नुकसान का सबसे बड़ा कारण माना जाता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उनकी योजना से अच्छा फल मिलेगा। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आप कोई फैसला थोड़ा सोच समझकर लें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, जिससे आपका धन को लेकर कोई काम नहीं रुकेगा।

वृषभ आज का दिन आपके व्यक्तित्व में निखार लेकर आएगा। आप अपने कामों में पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे, जिससे उन्हें पूरा करके ही आगे बढ़ेंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको किसी काम को करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

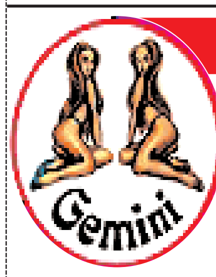

मिथुन आज का दिन आपके लिए बहुत ही जोश से भरा रहने वाला है। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से मन काफी खुश रहेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आज आपको तनाव बना रहेगा। जीवनसाथी यदि आपसे नाराज चल रही थी, तो आपको उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी।

कर्क आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कोई महत्वपूर्ण फैसला बहुत ही सोच विचारकर लेने की आवश्यकता है। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं। आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। आप अपने कामों को लेकर मनमौजी ना रहें। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे।

सिंह आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान दें। आपको कुछ महत्वपूर्ण लोगों से बातचीत करते समय अपने कान और आंख खुले रखने होंगे। किसी नए काम की शुरुआत आप किसी एक्सपर्ट की राय लेकर करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी नई नौकरी से ऑफर आ सकता है, लेकिन अभी आप पुरानी में ही टिके रहे तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

कन्या आज का दिन आपके लिए रुपए-पैसे के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा, जिससे आपका मन भी परेशान रहेगा। आपको कोई लेनदेन खुलकर करना होगा, नहीं तो आपके साथ धोखा हो सकता है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेने की आवश्यकता है।

तुला आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपके परिवार में कोई वाद-विवाद फिर से सिर उठाएगा। जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं। आप किसी को भी बिना मांगे सलाह देने से बचें। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों से एक नई पहचान मिलेगी।

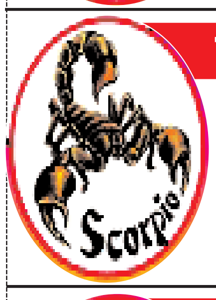

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने कारोबार में चल रही समस्याओं को लेकर किसी एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। जो जातक नौकरी में कामों को लेकर परेशान हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना होगा। आपको अपने पारिवारिक रिश्तों को बेहतर बनाए रखने के लिए अपने कामों पर फोकस बनाने की आवश्यकता है।

धनु आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। टेक्निकल क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को किसी बड़े काम को करने का मौका मिलेगा। व्यापार में आपको अच्छा मुनाफा मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप बिजनेस को लेकर किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपको अपने कामों को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए रूपए-पैसे के मामले में सोच समझकर चलने के लिए रहेगा। आप अपनी डाइट पर कंट्रोल करके रखें। दोस्तों के साथ घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। आपको किसी काम में निवेश बहुत ही सोच समझकर करने की आवश्यकता है। आपको अपने जीवनसाथी से कुछ भी छुपाने से बचना होगा। निजी मामलों में आपको तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर बेवजह टेंशन ना लें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी के साथ आपकी किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ एकांत में समय बिताएंगे। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर आपको खुशी होगी।

मीन आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप कार्य क्षेत्र में अपने बॉस से कोई जरूरी बात करने में सोच विचार अवश्य करें। यदि आप धन की कमी को लेकर लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह समस्या दूर हो सकती है, क्योंकि आपको रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी काम को करने में आपको अपने भाइयों से मदद लेनी होगी, तभी उसके पूरे होने की संभावना है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में निर्माण स्थल पर अस्थायी ढांचा गिरा, झारखंड के प्रवासी श्रमिक की मौत

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में एक निर्माणाधीन स्थल के श्रमिक शिविर में लोहे का अस्थायी ढांचा गिरने से झारखंड के एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। इसके साथ ही इस हादसे में 35 लोग घायल हो गए। रविवार देर रात यह हादसा उस समय हुआ, जब आईपीएल का फाइनल मैच चल रहा था। लगभग सौ से अधिक श्रमिक शांति नगर मेन रोड पर स्थित अस्थायी आवासीय परिसर में मोबाइल फोन और अन्य पोर्टेबल उपकरणों पर मैच देख रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बड़ी संख्या में श्रमिक दो मंजिला औद्योगिक शेड की पहली मंजिल पर बने अस्थायी ऊंचे रैंप और प्लेटफार्म पर एकत्र हो गए थे।पुलिस के अुनसार, भीड़ बढ़ने और लोगों के रेलिंग पर झुकने के कारण यह अस्थायी ढांचा भार नहीं सह सका और अचानक ढह गया। इससे श्रमिक लगभग 15 फुट नीचे भूतल पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों, पुलिस और शिविर में मौजूद अन्य श्रमिकों ने राहत अभियान शुरू किया। आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने झारखंड के मूल निवासी ब्रिंजी मांझी सहित 21 घायल श्रमिकों को गिंडी के सरकारी कलैग्नार शताब्दी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया। सिर में गंभीर चोट लगने से मांझी को बाद में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के उनकी मृत्यु हो गई। अन्य घायल श्रमिकों को पोरूर स्थित श्रीरामचंद्र मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, कोलकाता निवासी सुखानी नामक एक अन्य श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में नहीं उतरवाए जाएंगे कलावा और मंगलसूत्र

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आठ, नौ और 10 जून को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा में 42048 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए 20 केंद्र बनाए गए हैं। नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस मिलान और लाइव सीसी कैमरे निगरानी समेत सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की जांच के दौरान कलावा व मंगलसूत्र नहीं उतरवाए जाएंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक संचालित होगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्रों पर पहुंचना होगा, ताकि जांच और सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

2-3 दिन में दस्तक देगा मानसून, दिल्ली-यूपी-बिहार समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

लखनऊ, पटना, दिल्ली, एजेंसी। देश के मौसम मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिण पश्चिम मानसून किसी भी वक्त केरल में दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित देश के 17 राज्यों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है। अगले 2-3 दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में प्रवेश करने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं। जिसके चलते पूर्वोत्तर और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में 50 से 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गंभीर तूफान आने और ओलावृष्टि की संभावना है।

दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 1 से 5 जून के बीच हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। विशेषकर 3 और 4 जून को 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

पश्चिमी यूपी में 3 और 4 जून को तेज आंधी (50-70 किमी/घंटा) की चेतावनी है, जबकि 2 और 5 जून को बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड में 6 जून गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम वर्षा जारी रहेगी। राजस्थान में 2 जून को तूफानी हवाएं चलेंगी और 3-5 जून के दौरान अलग-अलग हिस्सों में बारिश होगी। जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 जून के दौरान तेज आंधी और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना है। 6 जून को भी बारिश हो सकती है। पश्चिमी एमपी में 2-3 जून को भारी बारिश होगी और पूर्वी एमपी में 5 जून तक हल्की बारिश जारी रहेगी। छत्तीसगढ़ और विदर्भ (महाराष्ट्र) में 2 से 5 जून के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। गुजरात में 4 जून के बीच गरज-चमक के साथ बारिश होगी। केरल और माहे में 3 से 7 जून के दौरान कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। तमिलनाडु और पुडुचेरी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और पूरे सप्ताह गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। आंध्र प्रदेश में 2 जून को भारी बारिश की संभावना है। तेलंगाना में 5 जून तक हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। अगर बात करें पूर्वी भारत की तो बिहार में 5 और 6 जून को तथा झारखंड में पूरे सप्ताह गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4 से 6 जून के बीच भारी बारिश होगी। ओडिशा में 2 जून को 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलेंगी, जबकि 3 से 5 जून के बीच भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 1 से 7 जून तक भारी बारिश जारी रहेगी। असम और मेघालय में 4 से 7 जून के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 और 7 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। आमतौर पर केरल में एक जून के आसपास मानसून पहुंचता रहा है। आईएमडी ने पहले 26 मई को केरल में मानसून के आगमन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन अल नीनो की मानसून में देरी हुई। विभाग ने 29 मई को कहा था कि यह अगले सप्ताह पहुंच सकता है। साथ ही कहा था कि इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होगी। इसकी वजह अल-नीनो की स्थिति का उभरना हो सकता है, जो भारत में मानसून के दौरान कम वर्षा का कारण बनता है।

बेनीवाल की बयानबाजी पर कैलाश चौधरी की दो टूक, बोले- राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

जयपुर, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने प्रदेश में चल रही राजनीतिक बयानबाजी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल द्वारा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर प्रतिक्रिया दी है। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीति हमेशा शालीन और मर्यादित रही है तथा ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए जिससे किसी की भावनाएं आहत हों। कैलाश चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने और विरोध करने का पूरा अधिकार है लेकिन सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। उनका कहना था कि राजनीतिक नेताओं का आचरण और भाषा समाज पर प्रभाव डालती है, जो लोग नेताओं का अनुसरण करते हैं, वे भी उसी प्रकार की भाषा और व्यवहार को अपनाने लगते हैं। इसलिए राजनीतिक संवाद में संयम और गरिमा बनाए रखना जरूरी है। हनुमान बेनीवाल के उस बयान पर जिसमें उन्होंने राजस्थान से भाजपा का सूपड़ा साफ होने और पार्टी के तीसरे नंबर पर पहुंचने की बात कही थी, कैलाश चौधरी ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति है। राजस्थान में भाजपा की सरकार है, केंद्र में भाजपा की सरकार है और देश के अधिकांश राज्यों में पार्टी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में भी भाजपा लगातार अपना जनाधार मजबूत कर रही है। ऐसे में राजस्थान से भाजपा को हटाना असंभव है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। संतों के आंदोलनों और गौसेवा से जुड़े मुद्दों पर भी कैलाश चौधरी ने भाजपा का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि संतों का सम्मान भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल है और पार्टी ने हमेशा सनातन परंपरा, गौसेवा और संत सेवा को आगे बढ़ाने का काम किया है।

आगरा नहर किनारे दिखा 12 फुट लंबा अजगर, लोगों में दहशत

फरीदाबाद, एजेंसी। सोतई गांव के समीप आगरा नहर के किनारे सोमवार को अजगर दिखाई देने से लोगों के बीच भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने वन्य एवं प्राणी विभाग को इसकी सूचना दी। इसी बीच अजगर धीरे-धीरे आगरा नहर में चला गया। ग्रामीणों ने बताया कि नहर के किनारे अकसर अजगर दिखाई देते हैं। दोपहर के समय अजगर देखकर लोग डर गए। सड़क पर धीरे-धीरे वाहन चालक एकत्रित होने लगे। कुछ लोगों ने इसकी वीडियो भी रिकार्ड कर ली। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने वन्य एवं प्राणी विभाग को सूचना दी। रेस्क्यू के लिए टीम के पहुंचने से पहले ही अजगर नहर की ओर चला गया। ग्रामीणों के अनुसार गर्मी अधिक होने के कारण कई बार अजगर सड़क पर आ जाते हैं। इस अजगर की लंबाई दस से 12 फुट थी। बता दें कि वन क्षेत्र और नहर के किनारे बसे रिहायशी एरिया में अकसर अजगर दिखाई देते हैं।

पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नई गाइड, मानव-वन्यजीव संघर्ष से परे सह-अस्तित्व की कहानियां सामने लाने की प्रेरणा देती है

मुंबई, एजेंसी। क्लाइमेट नैरेटिव हब (सीएनएच), जो दसरा और मोमेंटम शिफ्ट्स की पहल है और रेनमैटर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित है, ने पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नई गाइड जारी की है। यह गाइड उन लोगों के लिए है जो मानव-वन्यजीव से जुड़ी कहानियों को कवर करते हैं। आमतौर पर ऐसी रिपोर्टिंग में मृत्यु या हमलों जैसे संघर्ष के पहलुओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन यह गाइड बताती है कि ऐसा नजरिया अक्सर यह समझने में कमी छोड़ देता है कि इंसान और वन्यजीव एक ही स्थान पर कैसे साथ रहते हैं। नेटवर्क फॉर कंजर्विंग सेंट्रल इंडिया, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी-इंडिया, को-एक्सिस्टेंस कंसोर्टियम, द कॉर्बेट फाउंडेशन, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और द नेचर कंजर्वेंसी- इंडिया सहित कई संगठनों, पत्रकारों और संपादकों के साथ मिलकर तैयार की गई यह गाइड रिपोर्टर्स को अपनी कहानी कहने के तरीके को और व्यापक बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसमें बढ़ते मानवङ्गवन्यजीव संघर्ष के पीछे के कारणों को समझने पर जोर दिया गया है। गाइड के मुताबिक, सिर्फ यह बताना कि कोई जानवर गांव या शहर में आ गया, काफी नहीं है। रिपोर्टर्स को यह सवाल भी उठाना चाहिए कि वह वहां क्यों आया? क्या आवास हानि, निर्माण कार्य, जलवायु परिवर्तन या आहार की उपलब्धता में बदलाव इसके पीछे कारण हैं? यह संसाधन सह-अस्तित्व के पहलुओं को भी शामिल करने के लिए प्रेरित करता है, जैसे कि समुदाय अपने व्यवहार में कैसे बदलाव लाते हैं, अपनी गलतियों से क्या सीखते हैं, और वन्यजीव के साथ रहते हुए जोखिम को कम करने के लिए कौन-सी रणनीतियां अपनाते हैं। इस टूल के माध्यम से पत्रकारों, कहानीकारों और इंफ्लुएंसर्स को यह समझने के लिए प्रेरित किया जाता है कि स्थानीय समुदाय, खासकर जंगलों में रहने वाले और आदिवासी समुदाय, वन्यजीव को कैसे समझते और उनसे कैसे निपटते हैं।

गुजरात में 28 दिन डिजिटल अरेस्ट रहा बुजुर्ग, सीबीआई-ईडी के नाम पर 1.47 करोड़ की ठगी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात से साइबर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जहां 72 वर्षीय एक व्यक्ति को हाल ही में 1.47 करोड़ रुपये की भारी राशि की ठगी का शिकार होना पड़ा। पीड़ित को लगभग 28 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' का सामना करना पड़ा। इसने जांच एजेंसियों के बीच व्यापक चिंता पैदा कर दी है। गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा विंग ने इस बुजुर्ग पीड़ित के मामले का उल्लेख किया, जिसे धोखेबाजों ने पुलिस, सीबीआइ और ईडी जैसी विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों के रूप में पेश किया। साइबर विंग के अधिकारियों ने बताया कि वीडियो काल और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते हुए धोखेबाजों ने 'पीड़ित को गंभीर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए एक विस्तृत कहानी बनाई।' धोखेबाजों ने दावा किया कि व्यक्ति के डिजिटल क्रेडेंशियल्स से समझौता किया गया है और उन्हें आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है। दबाव बढ़ाने के लिए उन्होंने उसे 'डिजिटल निगरानी' या 'डिजिटल अरेस्ट' के तहत रखा, जिससे उसकी अन्य

लोगों के साथ बातचीत सीमित हो गई और उसकी गतिविधियों की लगातार निगरानी की गई। 'फंड सत्यापन' और 'मामले के समापन' के बहाने धोखेबाजों ने व्यक्ति को कई लेनदेन से बड़ी राशि ट्रांसफर करने के लिए मनाया। यह मानते हुए कि वह अपने नाम को साफ करने के लिए आधिकारिक प्रक्रियाओं का पालन कर रहा है पीड़ित ने अंततः 1.47 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ही उसे एहसास हुआ कि वह ठगा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर विंग ने कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' पूरी तरह से फर्जी है।

बिना वर्क परमिट कनाडा में काम करने का बड़ा मौका, इन 3 तरह के लोगों को मिली विशेष छूट

ओटाया, एजेंसी। कनाडा में नौकरी करने या करियर बनाने की योजना बना रहे विदेशी नागरिकों के लिए एक बेहद काम की खबर है। आमतौर पर कनाडा में किसी भी तरह का काम करने के लिए वैधकार्य अनुमति की जरूरत होती है लेकिन कनाडाई इमिग्रेशन नियमों के तहत कुछ ऐसी विशेष परिस्थितियां भी हैं जिनमें विदेशी नागरिक बिना वर्क परमिट के भी वहां कानूनी रूप से काम कर सकते हैं। हालांकि यह छूट हर किसी के लिए नहीं है बल्कि केवल कुछ खास श्रेणियों और कड़े नियमों के दायरे में आने वाले लोगों को ही दी जाती है।

1. व्यावसायिक आगंतुक: अगर कोई व्यक्ति विशुद्ध रूप से व्यापारिक गतिविधियों के सिलसिले में कनाडा आता है और वह वहां के स्थानीय श्रम बाजार का हिस्सा नहीं बनता तो उसे बिजनेस विजिटर माना जाता है। ऐसे लोगों को वर्क परमिट की आवश्यकता नहीं होती। वहीं इस तरह के लोगों के लिए महत्वपूर्ण शर्तें भी लागू की गई हैं। पहला यह कि व्यक्ति किसी कनाडाई कंपनी का कर्मचारी नहीं होना चाहिए। उसका वेतन और अन्य आर्थिक लाभ कनाडा के बाहर (उसकी मूल विदेशी कंपनी) से मिलना चाहिए। उसकी गतिविधियां ऐसी न हों जिससे स्थानीय कनाडाई कर्मचारियों के रोजगार को नुकसान पहुंचे। बिजनेस मीटिंग्स, ट्रेड शो, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठकों में शामिल होना या विदेश से खरीदे गए विशेष उपकरणों की मरम्मत और तकनीकी सहायता देना। इन्हें आमतौर पर 6 महीने तक रुकने की अनुमति मिलती है।

2. डिजिटल नोमैडऔर रिमोट वर्कर: बदलते दौर में लैपटॉप और इंटरनेट के जरिए दुनिया के किसी भी कोने से काम करने वाले डिजिटल नोमैड% के लिए कनाडाई नियम काफी लचीले हैं।

इनकी महत्वपूर्ण शर्तें हैं- अगर आप कनाडा में रहकर किसी ऐसी विदेशी कंपनी के लिए ऑनलाइन काम कर रहे हेन जिसका कनाडा में कोई ऑफिस या वित्तीय संबंध नहीं है तो आपको वर्क परमिट की जरूरत नहीं है। आपकी कमाई पूरी तरह से कनाडा के बाहर से आनी चाहिए और आप कनाडाई ग्राहकों को सीधे सेवा नहीं दे सकते। सॉफ्टवेयर डेवलपर, डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट, कंटेंट क्रिएटर, बिजनेस कंसल्टेंट और ऑनलाइन ट्यूटर।

ऐसे लोग विजिटर वीजा या ईटीए के जरिए 6 महीने तक वहां रहकर काम कर सकते हैं। कनाडा के मान्यता प्राप्त संस्थानों में पढ़ रहे विदेशी छात्र भी बिना अलग से वर्क परमिट लिए काम कर सकते हैं बशर्ते उनके स्टडी परमिट में इसका साफ जिक्र हो। नौकरी शुरू करने से पहले छात्रों के पास एक वैध सोशल इंश्योरेंस नंबर होना अनिवार्य है जो वहां की सरकार द्वारा पहचान के लिए जारी किया जाता है। नियमों से ज्यादा घंटे काम करने पर स्टडी परमिट रद्द भी हो सकता है।

इन तीन मुख्य श्रेणियों के अलावा कुछ अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों को भी बिना वर्क परमिट कनाडा में शॉर्ट-टर्म काम करने की इजाजत है। इनमें विदेशी राजनयिक , अंतरराष्ट्रीय पत्रकार, खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीट, धार्मिक कार्यकर्ता, गेस्ट स्पीकर और आपातकालीन सेवाएं देने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

यूएस ने तीन हफ्तों में 70 जहाजों को निकाला सुरक्षित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह सभी जहाज फारस की खाड़ी में आने और वहां से बाहर जाने वाले थे। बताया गया है कि अधिकतर जहाजों ने अपनी लोकेशन बताने वाले ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। अमेरिका का कहना है कि ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले का खतरा बना हुआ है। इसी कारण अमेरिकी सेना लगातार जहाजों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। यह समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध शुरू होने से पहले यहां से हर दिन 100 से ज्यादा व्यापारिक जहाज गुजरते थे। लेकिन अब तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो जहाज ईरान की मंजूरी के बिना उसके समुद्री इलाके के करीब जाते हैं, उन पर हमले का बड़ा खतरा रहता है। इसी वजह से कई जहाज अब ओमान की तरफ वाले समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिपिंग विशेषज्ञों के अनुसार डार्क पैसेज यानी पहचान छिपाकर की जा रही यात्रा की वजह से इन जहाजों की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
[illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
[illegible] एन.आई.टी नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible] न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

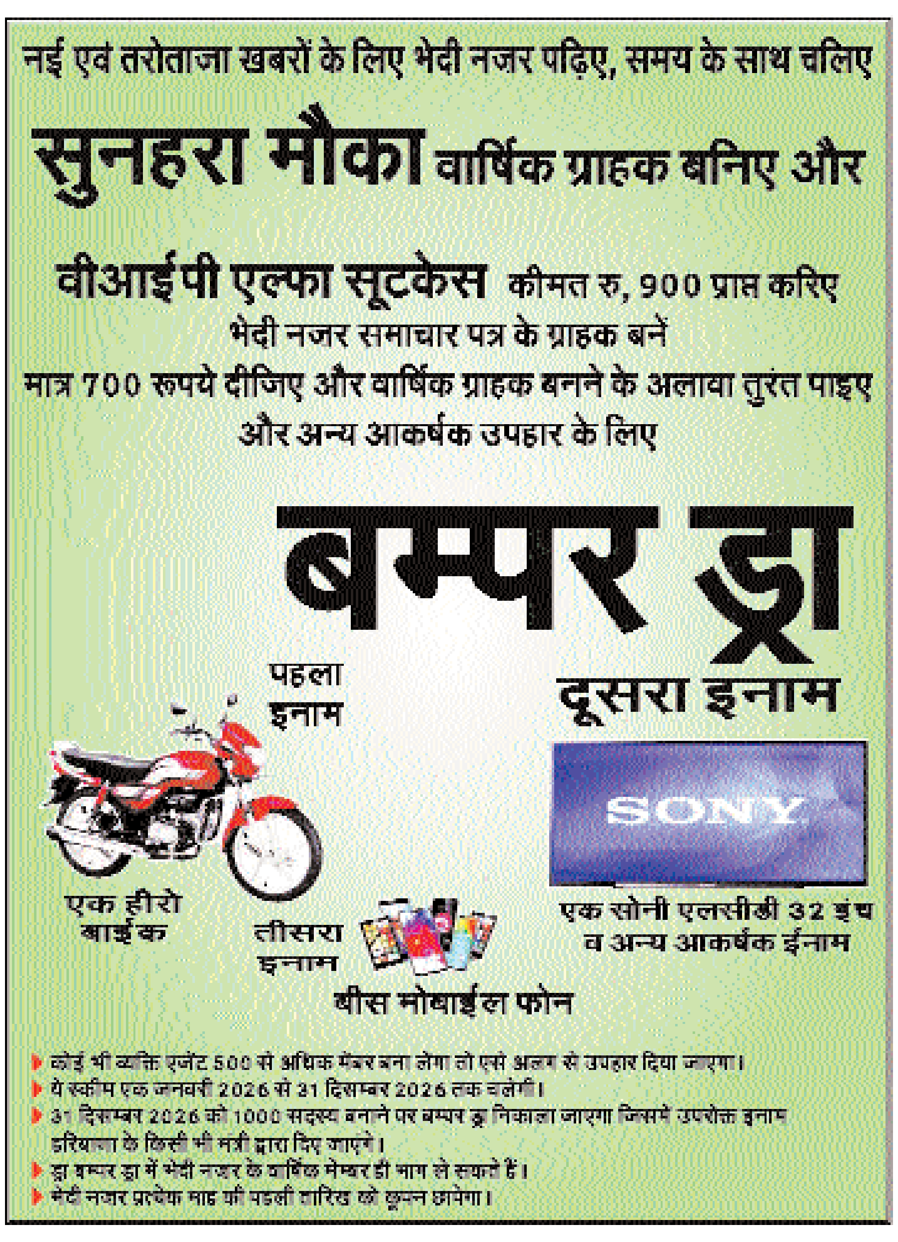

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा